सम्पादकीय : परम पूज्य गुरुदेव की आकांक्षा का ध्यान रखें, समय के साथ चलकर कुछ बेहतर करें 2

वृक्षगंगा अभियान बही सृजन-संवेदना की बयार, हो रहा है धरती माता का शृंगार 3

कैलीफोर्निया में यूथ कैम्प सम्पन्न अमेरिका-यूरोप में कई विशाल यज्ञीय कार्यक्रम हुए 6-7

शान्तिकुंज में स्वतंत्रता दिवस पर हजारों लोगों ने निकाली तिरंगा यात्रा 8

समाज निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए समर्पित

E-mail: news@awgp.org

पाक्षिक

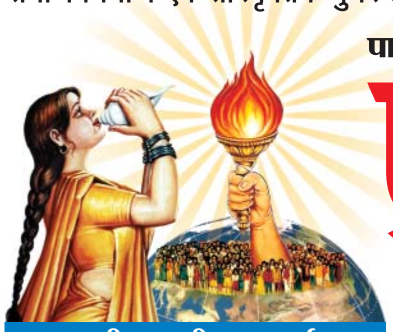

प्रज्ञा अभियान

संस्थापक, संरक्षक : युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा

नारी सशक्तीकरण वर्ष

1 सितम्बर 2023

वर्ष : 36, अंक : 05

प्रकाशन स्थल : शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार

प्रकाशन तिथि : 27 अगस्त 2023

वार्षिक चंदा : ₹ 80/-

वार्षिक चंदा (विदेश) : ₹ 1000/-

प्रति अंक : ₹ 4/-

RNI-NO.38653/ 1980 Postel R.No.UA/DO/DDN/ 16 / 2021-23 Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2021-23

।। ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमें सन्मार्ग में प्रेरित करे।

आत्म परिष्कार के सरल सूत्र

युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

(पुस्तक 'गहना कर्मणोगति' से संकलित-सम्पादित)

भले-बुरे की भ्रान्त धारणाएँ

दुनियाँ त्रिगुणमयी है। हर एक वस्तु सत, रज, तम इन तीन गुणों से बनी हुई है। उसमें आप से छोटे दर्जे के बच्चे भी पढ़ते हैं, आपकी समकक्षा में पढ़ने वाले भी हैं और वे भी हैं जो आप से बहुत आगे हैं। तीनों ही किस्म के लोग यहाँ हैं। सतोगुणी वे विद्यार्थी हैं, जो आप से ऊँची कक्षा के हैं, रजोगुणी वे हैं, जो समकक्षा में पढ़ रहे हैं, तमोगुणी पिछली कक्षा वाले को कह सकते हैं।

डाकू की तुलना में चोर सतोगुणी है, क्योंकि डाकू की अपेक्षा चोर में उदारता के कुछ अंश अधिक हैं, किंतु चोर और डाकू दोनों से श्रमजीवी मजदूर ऊँचा है, उससे ब्राह्मण बड़ा है और ब्राह्मण से साधु बड़ा है। डाकू से साधु बहुत ऊँचा है, पर जीवनमुक्त आत्माओं से साधु भी उतना ही नीचा है, जितना साधु से डाकू। यह डाकू क्या सबसे नीचा है? नहीं, सर्प से वह भी ऊँचा है। सर्प अपनी सर्पिनी के लिए उदार है। तात्पर्य यह कि परमपद पाने से पूर्व हर एक प्राणी अपूर्ण है, उसमें नीच स्वभाव कुछ न कुछ रहेगा ही। जिस दिन सारी नीचता समाप्त हो जाएगी, उस दिन तो वह उन्नति के अंतिम शिखर पर पहुँचकर चरम ध्येय को ही प्राप्त कर लेगा।

त्रिगुणमयी प्रकृति में दोनों पहलू मौजूद हैं, एक भला, दूसरा बुरा; एक काला, दूसरा सफेद; एक धर्म, दूसरा अधर्म; एक सुख, दूसरा दुःख। चुनाव की पूरी-पूरी आजादी आपको है। एक ही व्यक्ति कई लोगों को कई प्रकार का दिखाई पड़ता है। माता उसे स्नेह भाजन मानती है, पिता आज्ञाकारी पुत्र मानता है, गुरु सुयोग्य शिष्य समझता है, मित्र हँसोड़ साथी समझते हैं, स्त्री प्राणवल्लभ मानती है। जैसे दूसरे लोग उसके बारे में अपने मतलब की कल्पना कर लेते हैं, वैसे ही मन भी अपने बारे में इंद्रियों की अनुभूति के आधार पर अपने सम्बन्ध में एक लँगड़ी-लूली कल्पना कर लेता है और उसी कल्पना में लोग नशेबाज की तरह उड़ते रहते हैं। ''मैं क्या हूँ?''इस मर्म को यदि वह किसी दिन समझ पायें, तो जानें कि उन्होंने अपने बारे में कितनी गलत धारणा बना रखी थी।

मनुष्यों को नाना प्रकार के दुःखों में रोते हुए और नाना प्रकार के सुखों में इतराते हुए हम देखते हैं। ''दुनियाँ बहुत बुरी है, यह जमाना बड़ा खराब है, ईमानदारी का युग चला गया, चारों ओर बेईमानी छाई हुई है, सब लोग धोखेबाज हैं, धर्म धरती पर से उठ गया।'' जो आदमी बार-बार ऐसी उक्तियाँ दुहराता है, समझ लीजिए कि वह खुद धोखेबाज और बेईमान है। इसकी इच्छित वस्तुएँ इसके चारों ओर इकट्ठी हो गई हैं और उनकी सहायता से सुव्यवस्थित कल्पना चित्र इसके मन पर अंकित हो गया है। जो व्यक्ति यह कहा करता है कि दुनियाँ में कुछ काम नहीं है, बेकारी का बाजार गर्म है, उद्योग धंधे उठ गए, अच्छे काम मिलते ही नहीं; समझ लीजिए कि उसकी अयोग्यता ही उसके चेहरे पर छाई हुई है। वह जहाँ जाता है, वहाँ के दर्पण में अपना मुख देख आता है।

क्रोधी मनुष्य जहाँ जाएगा, कोई न कोई लड़ने वाला उसे मिल ही जाएगा। घृणा करने वाले को कोई न कोई घृणित वस्तु मिल ही जाएगी। अन्यायी मनुष्य को सब लोग बड़े बेहूदे, असभ्य और दण्ड देने योग्य दिखाई पड़ते हैं। होता यह है कि अपनी मनोभावनाओं को मनुष्य अपने सामने वालों पर थोप देता है और उन्हें वैसा ही समझता है, जैसा वह स्वयं है। साधुओं को असाध्वी स्त्रियों से पाला नहीं पड़ता, विद्याभ्यासियों को सद्ज्ञान मिल ही जाता है, जिज्ञासुओं की ज्ञान पिपासा पूरी होती ही है, सतयुगी आत्माएँ हर युग में रहती हैं और उनके पास सदैव सतयुग बरतता रहता है।

अंधकार से प्रकाश की ओर

सृष्टि का हर प्राणी आज के वर्तमान स्वरूप में अपूर्ण है। अपूर्ण का अर्थ है-सदोष। बेशक सब मिलाकर दोष से गुण ज्यादा हैं। अधर्म बेशक मौजूद है, पर उससे धर्म ज्यादा है; अंधेरा बहुत ज्यादा है, पर उससे प्रकाश ज्यादा है। दुनियाँ वाले बहुत खराब हैं, पर उसमें खराबी से कहीं ज्यादा अच्छाई मौजूद है। हमें उस अच्छाई पर ही अपनी दृष्टि रखनी चाहिए, अच्छाई से ही आनन्द लेना चाहिए और अच्छाई को ही आगे बढ़ाना चाहिए। दिन में हम जगते हैं, प्रकाश में काम करते हैं, उजाले में रहना पसंद करते हैं। जब रात का अंधेरा सामने आता है, तो आँखें बंद करके सो जाते हैं। जिन्हें रात में भी काम करना है, वे दीपक जला लेते हैं।

हमारी यह उजाले में काम करने, अंधेरे में सो जाने की प्रवृत्ति यह सिखाती है कि संसार के साथ किस तरह व्यवहार करना चाहिए। किसी आदमी में क्या सद्गुण है, उसे खोज निकालिए और उन्हीं से सम्पर्क रखिए, उन्हीं में आनंद लीजिए, उन्हें ही प्रोत्साहित कीजिए। जो दोष हों उन्हें भी देखिए तो सही, पर उनमें उलझिए मत।

तरह-तरह के उलझनों भरे जाल जो मस्तिष्क में बुन गए हैं, उन्हें उखाड़ कर एक कोने में डाल दीजिए। अपना तीसरा नेत्र, ज्ञान नेत्र खोलकर पुरानी दुनियाँ को नष्ट कर डालिए। वर्तमान कलियुग को प्रलय के गर्त में गिर पड़ने दीजिए और अपना सतयुग अपने मानस लोक में स्वयं रच डालिए। आप दुनियाँ के अंधेरे को, तमोगुण को देखना बंद करके प्रकाश को, सतोगुण को देखिए। फिर देखिए कि यह दुनियाँ जो नरक-सी दिखलाई पड़ती थी, एक दिन बाद स्वर्ग बन जाती है। कल आपको अपना पुत्र अवज्ञाकारी लगता था, स्त्री कर्कश प्रतीत होती थी, भाई जान लेने की फिक्र में थे, मित्र कपटी थे, वे अपनी दृष्टि बदलने के साथ ही बिल्कुल बदल जाएँगे।

कर भला तो हो भला

हर उन्नत आत्मा का कर्त्तव्य है कि वह आत्मविकास के लिए दूसरों की उन्नति का भी प्रयत्न करे। गिरे हुओं को उठने और बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करे। समाज में तमोगुण उबलते रहेंगे, उनसे डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। आत्मोन्नति चाहने वाली आत्मा का कर्तव्य है कि उन उत्पातों में अपना सुधार करते हुए अपनी भुजाएँ मजबूत बनाएँ। दुष्टता को बढ़ने न देना, पाशविक तत्त्वों को मनुष्य तत्त्व में न घुलने देने का प्रयत्न करते रहना आवश्यक है। चतुर हलवाई दूध को मक्खियों से बचाता रहता है, ताकि दूध अशुद्ध न हो जाए। कर्म-कौशल यह कहता है कि समाज में पाप-वृत्तियों को बढ़ने से रोकना चाहिए। इस विरोध-कर्म में बड़ी होशियारी की जरूरत है। यही तलवार की धार है, इस पर चलना सचमुच योग कहा जाएगा।

बुराइयों से भरे हुए इस विश्व में आपका कार्य क्या होना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर भगवान सूर्यनारायण हमें देते हैं। वे प्रकाश फैलाते हैं, अंधेरा अपने आप भाग जाता है। बादल मेह बरसाते हैं, ग्रीष्म का ताप अपने आप ठंडा हो जाता है। हम भोजन खाते हैं, भूख अपने आप बुझ जाती है। स्वास्थ्य के नियमों की साधना करते हैं, दुर्बलता अपने आप दूर हो जाती है। ज्ञान प्राप्त करते हैं, अज्ञान अपने आप दूर हो जाता है। सीधा रास्ता यह है कि संसार में से बुराइयों को हटाने के लिए अच्छाइयों का प्रसार करना चाहिए। अधर्म को मिटाने के लिए धर्म का प्रचार करना चाहिए।

विरोध और कठिनाइयों से न घबरायें

हो सकता है कि लोग आपको दुःख दें, आपका तिरस्कार करें, आपके महत्त्व को न समझें, आपको मूर्ख गिनें और विरोधी बनकर मार्ग में अकारण कठिनाइयाँ उपस्थित करें, पर इसकी तनिक भी चिंता मत कीजिए और जरा भी विचलित मत हूजिए, क्योंकि इनकी संख्या बिल्कुल नगण्य होगी। सौ आदमी आपके सत्प्रयत्न का लाभ उठाएँगे, तो दो-चार विरोधी भी होंगे। यह विरोध आपके लिए ईश्वरीय प्रसाद की तरह होगा, ताकि आत्मनिरीक्षण का, भूल सुधार का अवसर मिले और संघर्ष से जो शक्ति आती है, उसे प्राप्त करते हुए तेजी से आगे बढ़ते रहें।

आनन्द को अनुभव करें

संसार को दुःखमय मानना एक भारी भूल है। यह सुखमय है। यदि संसार में सुख न होता, तो स्वतंत्र, शुद्ध, बुद्ध और आनंदी आत्मा इसमें आने के लिए कदापि तैयार नहीं होती। दुःख और कुछ नहीं, सुख के अभाव का नाम दुःख है। राजमार्ग पर चलना छोड़कर कँटीली झाड़ियों में भटकना दुःख है। दुःख, विरोध, बैर, क्लेश, कलह का अधिकांश भाग काल्पनिक होता है, दूसरे लोग सचमुच उतने बुरे नहीं होते, जितने कि हम समझते हैं। यदि हम अपने मस्तिष्क को शुद्ध कर डालें, आँख पर का रंगीन चश्मा उतार फेंकें, तो संसार का सच्चा स्वरूप दिखाई देने लगेगा। यह दर्पण के समान है, भले के लिए भला और बुरे लिए के बुरा। जैसे ही हमारी दृष्टि भलाई देखने और स्नेहपूर्ण सुधार करने की हो जाती है, वैसे ही सारा संसार अपना प्रेम हमारे ऊपर उड़ेल देता है।

जब हम संसार को दुःखमय, पापी, अन्यायी मानते हैं, तो वह 'मनसा भूत' की तरह उसी रूप में हमारे सामने आता है। जब सुखमय मान लेते हैं, तो मस्त फकीर की तरह रूखी रोटी खाकर बादशाही आनंद लूटते हैं। सचमुच दुःख और पाप का कुछ अंश दुनियाँ में है, पर वह दुःख सहन करने योग्य है, सुख की महत्ता खोजने वाला है। जो पाप है, वह आत्मोन्नति की प्रधान साधना है। यदि परीक्षा की व्यवस्था न हो तो विद्वान और मूर्ख में कुछ अंतर ही न रहे।

पाठकों को उपरोक्त पंक्तियों से यह जानने में सहायता हुई होगी कि सृष्टि जड़ होने के कारण हमारे लिए दुःख-सुख का कारण नहीं कही जा सकती। यह दर्पण के समान है, जिससे हर व्यक्ति अपना कुरूप या सुंदर मुख जैसे का तैसा देख सकता है। आप अपने आस-पास पवित्रता, प्रेम, भ्रातृभाव, उदारता, स्नेह, दया, गुण, दर्शन का वातावरण तैयार कर लें। अपनी दृष्टि को गुणग्राही बना लें, तो हम शपथपूर्वक कह सकते हैं कि आपके लिए यही संसार नंदन वन की तरह, स्वर्ग के उच्च सोपान की तरह आनंददायक बन जाएगा। भले ही पड़ौसी लोग अपनी बुरी और दुःखदायी कल्पना के अनुसार इसे बुरा और कष्टप्रद समझते हैं।

परम पूज्य गुरुदेव की आकांक्षा का ध्यान रखें, समय के साथ चलकर कुछ बेहतर करें

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ के माध्यम से सामाजिक विकास की स्थाई योजनाओं को प्रोत्साहित किया जा सकता है

पूज्य गुरुदेव की व्यथा-वेदना

परम पूज्य गुरुदेव ने गायत्री तपोभूमि मथुरा से विदाई के पूर्व अखण्ड ज्योति पत्रिका में अपने मनोभाव व्यक्त किए हैं। वे अगस्त 1970 के अंक में 'अपनों से अपनी बात' स्तंभ में लिखते हैं :-

''आशंका या कुकामना ही समझिये अथवा वस्तुस्थिति कहिए, अब ऐसा लगने लगा है कि जो विशाल भीड़ हमें चारों ओर से घेरे रही है, घेरे रहती है, उसके कम ही लोग उस स्तर के हैं, जिन्हें हमारे प्रयासों के प्रति सच्ची सहानुभूति हो। अधिकांश लोग निहित स्वार्थ वाले हैं, जो अपने किसी प्रयोजन विशेष में सहायता प्राप्त करने के लिए हमारा उपयोग भर करना चाहते हैं। उनकी मनोभूमि उस स्तर तक विकसित नहीं हो सकी है कि वे हमारे जीवनोद्देश्य और क्रिया कलाप के पीछे के दूरगामी प्रयोजन की उपयोगिता समझें और उसके लिए कुछ सहयोग-अनुदान देने की हिम्मत करें।

मनुष्य, मनुष्य से सहायता प्राप्त करे, यह उचित है, पर केवल उतने तक ही सीमित बनकर रह जाये, यह बुरा है। बारीकी से अपने वर्तमान साथियों पर निगाह डालते हैं तो खोखलापन बहुत नजर आता है। लगता है ढोल के इर्द-गिर्द ही थोड़ी-सी लकड़ी और चमड़ी लगी है, भीतर तो पोल ही पोल है।...

सोचते हैं कि अपने साथ जुड़ा हुआ लाखों मनुष्यों का जन समूह कहीं ऐसा खोखला न हो, जो हमारे पीठ फेरते ही मुँह फेर ले और जिस प्रयोजन को हम विश्वव्यापी बनाने के लिए अपने को तिल-तिल गलाते रहे हैं, वे उसकी ओर मुड़कर भी न देखें। यदि ऐसा हुआ तो उन रंगीन सपनों का क्या होगा, जो हमने बड़ी साध के साथ जीवन भर सजाए और संजोये हैं।''

आत्मसमीक्षा कीजिए

परम पूज्य गुरुदेव के उपरोक्त मनोभाव आज भी हमें आत्मसमीक्षा की प्रेरणा देते हैं। आज से 50 वर्ष पहले की तुलना में मिशन का बहुत विस्तार हुआ है। कार्यकर्त्ताओं की संख्या सैकड़ों नहीं, हजारों गुना बढ़ गई है। उन दिनों पाँच कुण्डीय गायत्री यज्ञ का आयोजन भी बड़ी बात समझी जाती थी, लेकिन आज अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष 24 से लेकर 108 कुण्डीय स्तर के कार्यक्रम सैकड़ों की संख्या में सम्पन्न कराए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में लाखों लोग इकट्ठे हो रहे हैं। लेकिन विचारणीय यह है कि जिस अनुपात में हमारी सक्रियता बढ़ी है, उस अनुपात में हम अपने 'युग निर्माण' के मिशन में सफल हो पाए हैं क्या? हम समाज के नवनिर्माण के लिए समर्पित युग सृजेताओं की वाहिनी तैयार कर पा रहे हैं क्या?

कार्यक्रम कम नहीं हो रहे, लेकिन युग निर्माण आन्दोलन के माध्यम से जिन विभीषिकाओं का शमन होना है, वह सुरसा की तरह बढ़ती दिखाई दे रही हैं। समाज में स्वार्थ-संकीर्णता के बंधन ढीले कहाँ हो पा रहे हैं। जातिवाद, संप्रदायवाद की आग में देश जल रहा है। अमीर-गरीब के बीच की खाई को दूर करने के प्रयास किए भी जा रहे हैं, लेकिन मानवीय मन और बुद्धि पर छाए भ्रष्टाचार, अनाचार, अत्याचार के असुर उसे कहाँ कम होने दे रहे हैं। पर्यावरण संकट विकराल हो गया है। विश्वयुद्ध की विभीषिकाओं के काले बादल हर पल मँडराते दिखाई देते हैं। समाज में व्याप्त अनास्था, अंधविश्वास, मूढ़ मान्यताएँ, व्यसन-कुरीतियों ने परिवार में अशांति और समाज में तरह-तरह के विग्रह पैदा कर देश और समाज की उन्नति में बेड़ियाँ डाली हुई हैं।

ग्राम समूहों के निर्माण से अखण्ड ज्योति बनेगी प्रचण्ड ज्योति

परम पूज्य गुरुदेव ने हर शक्तिपीठ-प्रज्ञा संस्थानों को दस-दस गाँवों की जागीरदारी सौंपने की बात कही थी। हमें इस पर ध्यान देना चाहिए। आज हर क्षेत्र में 24 से लेकर 108 कुण्डीय तक के यज्ञीय कार्यक्रम सम्पन्न होने जा रहे हैं। हर कार्यक्रम में 'जितने कुण्ड, उतने गाँव/मोहल्ले' में नवचेतना जागरण का संकल्प उभारा जा रहा है। यदि इस संकल्प को अपने क्षेत्र के विकास की स्थायी योजना में शामिल कर लिया जाए तो कमाल हो जाए। अखण्ड ज्योति और परम वंदनीया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष-2026 तक के आगामी तीन वर्षों में अखण्ड ज्योति को प्रचण्ड ज्योति में रूपांतरित करने का जो लक्ष्य हमने रखा है, उसमें हमें बड़ी सफलता मिल सकती है।

हमारे यज्ञ अभियान का लक्ष्य

हमारे यज्ञों का लक्ष्य मात्र भीड़ इकट्ठी करना नहीं है। परम पूज्य गुरुदेव कहते थे कि सोमवती अमावस्या के दिन गंगातट पर स्नान करने वाले और रामलीला में रावण वध के उत्सव में उपस्थित रहने वाले तथाकथित धार्मिक लोगों की भारी भीड़ जमा होती है, पर उस जनसमूह के पीछे कोई लक्ष्य नहीं होता। अतः उसका न व्यक्ति को लाभ मिलता है और न समाज को।

हमारा लक्ष्य परम पूज्य गुरुदेव के सतयुगी संकल्पों को साकार करने वाली युग सृजन वाहिनी तैयार करना है। ऐसे क्रांतिकारी व्यक्तित्वों को तलाशना और तराशना है जो स्वयं 'यज्ञ पिता-गायत्री माता' का अवलम्बन लेते हुए अज्ञान-अभाव का अभिशाप झेल रही मानवता को पतन के गर्त से निकाल कर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर कर सकें। आगामी दिनों में आयोजित हो रही राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों की शृंखला में आयोजकों सहित हर कार्यकर्त्ता का यही लक्ष्य होना चाहिए। यज्ञ में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गायत्री और यज्ञ का जीवनदर्शन उतरता चला जाए, इसके लिए दूरगामी सोच के साथ योजनाबद्ध प्रयास किए जाने चाहिए, क्योंकि 'गायत्री' अर्थात् सद्‌बुद्धि के जागरण और 'यज्ञ' अर्थात् परमार्थ परायण जीवन में ही आज की हर समस्या का समाधान निहित है।

बदलती दुनियाँ, बढ़ते दायित्व

परम पूज्य गुरुदेव भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अग्रणी योद्धा थे। लेकिन जब उन्हें स्वतंत्रता प्राप्ति का सुनिश्चित आभास हो गया, तब उन्होंने स्वयं को स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी से हटा कर देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने की ओर कदम बढ़ा दिए।

आज दुनियाँ बड़ी तेजी से बदल रही है। चाँद पर बस्तियाँ बसाने की तैयारी हो रही है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहारे नकली दुनियाँ बनाने की तैयारियाँ की जा रही हैं। दुनियाँ आज भी करिश्माई लगती है और आने वाले कुछ दशकों में दुनियाँ का स्वरूप ऐसा होने जा रहा है, जैसा कि 50 वर्ष पूर्व दादी-नानी अपने बच्चों को परीलोक की कथाएँ सुनाया करती थीं। कुछ दशकों पहले रोबोटिक दुनियाँ और स्टार वॉर के दर्शन फिल्मों में हुआ करते थे, वह संकल्पना शीघ्र ही साकार होती दिखाई देगी, ऐसा प्रतीत होता है।

महाकाल के संकल्प के अनुरूप भारत की प्रतिष्ठा और वर्चस्व भी पूरे विश्व में बढ़ रहा है। देश में भी विकास कार्यों ने तीव्र गति पकड़ी है। विकास की इस गति के साथ ही महाकाल की अवतारी चेतना-परम पूज्य गुरुदेव के अंग-अवयवों, शिष्य-सहयोगियों की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती जा रही हैं। हमारी समझदारी इसी में है कि हम समय के प्रवाह में बह जाने की भूल न करें। यह विकास सुरक्षित और टिकाऊ तभी रह सकता है, जब उसकी ऊँचाई के अनुरूप समाज की नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बुनियाद गहरी और मजबूत हो।

यज्ञ का दर्शन और उपलब्धियाँ

हमें समय के साथ अपनी सोच परिष्कृत करनी होगी। महायज्ञ सम्पन्न करा लेना, भीड़ जुटा लेना सरल है, लेकिन राष्ट्र के नवनिर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिए गायत्री और यज्ञ के दर्शन को लोगों के जीवन में उतारने की आवश्यकता है। हवन में आहुतियाँ देने मात्र से नए युग का निर्माण नहीं हो जाता, लोगों के सार्वजनिक जीवन में भी यज्ञभाव उतरे तो बात बने।

अखिल विश्व गायत्री परिवार को अब तक इस दिशा में असाधारण सफलता मिली है। सामाजिक परिवर्तन में गायत्री परिवार के योगदान का गुणगान प्रायः सभी संत, समझदार करते हैं। समाज में छाई धर्मान्धता पर अंकुश लगाने, जातीय भेद मिटाकर 'मानव मात्र एक समान' का उद्‌घोष बुलंद करने, नर-नारी का भेद मिटाने जैसे अनेक क्षेत्रों में गायत्री परिवार का बड़ा योगदान रहा है। आज समाज में धर्म के नाम पर तरह-तरह के विवाद दिखाई देते हैं, लेकिन परम पूज्य गुरुदेव ने जो विचार और सूत्र दिये हैं वे मानवमात्र द्वारा अपनाये जाने योग्य और सर्वमान्य हैं। राष्ट्रीय एकता की भावना जगाने में अखिल विश्व गायत्री परिवार की अद्वितीय भूमिका है।

अब आगे की सोचें

'युग निर्माण' एक महान संकल्प है। इसकी सिद्धि के लिए अथाह कार्य हुआ है, लेकिन जो हो चुका है वह लक्ष्य की तुलना में बहुत बौना दिखाई देता है। समय की माँग है कि हम आगे की सोचें और अपनी सक्रियता का इस प्रकार विस्तार करें कि जिससे हमारे प्रयास-पुरुषार्थ का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके। उनके माध्यम से जनमानस में सद्‌बुद्धि का जागरण हो, उन्हें सत्प्रवृत्तियों के साँचे में ढाला जा सके।

इस वर्ष पूरे देश में राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों की विराट शृंखला सम्पन्न होने जा रही है। हमें इन कार्यक्रमों में यज्ञ तक सीमित न रहकर लोगों को राष्ट्र जागरण की भावनाओं से जोड़ना होगा, समाज के नवनिर्माण की योजनाओं के साथ उन्हें जोड़ना होगा। कार्य नया नहीं है, सक्रियता की धुरी हमारे सप्त आन्दोलन ही हैं, आवश्यकता केवल अपने संकल्प और सक्रियता को नई धार देने की है। बारूद के ढेर में माचिस की तीली लगाकर तमाशा देखा जा सकता है, लेकिन उससे बड़ी-बड़ी चट्टानों को तोड़कर नई राह बनानी हो, सुरंगें बनानी हों तो उसे डायनामाइट में बदलने की आवश्यकता होती है।

ग्राम समूहों का निर्माण

परम पूज्य गुरुदेव ने हर शक्तिपीठ-प्रज्ञा संस्थानों को दस-दस गाँवों की जागीरदारी सौंपने की बात कही थी। राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों के माध्यम से उनकी इस आकांक्षा को पूरा करने की योजना बनाई जा सकती है। देश के टिकाऊ और सर्वहितकारी विकास के लिए पूर्व राष्ट्रपति माननीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी ऐसे समूहों के निर्माण की बात कही थी, जिसे उन्होंने 'पुरा' नाम दिया था। गाँधीजी और विनोबा जी ने भी ग्राम स्वराज्य की बात कही थी।

आज हर क्षेत्र में 24 से लेकर 108 कुण्डीय तक के यज्ञीय कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं। हर कार्यक्रम में 'जितने कुण्ड, उतने गाँव/मोहल्ले' में नवचेतना जागरण का संकल्प उभारा जा रहा है। यदि इस संकल्प को अपने क्षेत्र के विकास की स्थायी योजना में शामिल कर लिया जाए तो कमाल हो जाए। अखण्ड ज्योति और परम वंदनीया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष-2026 तक के आगामी तीन वर्षों में अखण्ड ज्योति को प्रचण्ड ज्योति में रूपांतरित करने का जो लक्ष्य हमने रखा है, उसमें हमें बड़ी सफलता मिल सकती है।

हमने आदर्श ग्राम विकास की योजनाएँ चलाई हैं। ग्राम स्वच्छता, व्यसनमुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, निर्मल गंगा जन अभियान, सामूहिक साधना, सामूहिक गर्भ संस्कार, कन्या/किशोर कौशल शिविर, दम्पति शिविर, युवा युगसृजेता जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे प्रयास-पुरुषार्थ सतत चल रहे हैं। यदि आदर्श ग्राम समूहों का निर्माण हो जाए तो सबके साथ-सहयोग से इन कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन और सबका बेहतर विकास हो सकता है।

सामूहिक विकास के वरणी/भागीदार

अपने यज्ञों में श्रद्धालुओं को वरणी और भागीदार के रूप में शामिल कराने की परम्परा रही है। इस व्यवस्था को ग्राम समूहों के निर्माण की दृष्टि से भी अपनाया जा सकता है। वरणी अर्थात् विशिष्ट साधनात्मक पुरुषार्थ करते हुए यज्ञ में शामिल होने वाले महानुभाव और भागीदार वे श्रद्धासिक्त परिजन जो स्वैच्छिक साधना व साधनों का के साथ यज्ञ में भागीदारी करना चाहते हैं।

जब ग्राम समूहों के निर्माण और उनके समग्र विकास की योजना बने तो इस योजना में सहयोग करने वाले महानुभावों का पंजीयन 'वरणी' के रूप में किया जा सकता है। यज्ञ के समय उनका उद्‌घोषणापूर्वक वरण और सम्मान भी किया जा सकता है। इस योजना में सभी गाँव के सरपंच से लेकर उन गाँवों के संवेदनशील, सृजनशील, स्वयंसेवी मानसिकता वाले महानुभावों, बुद्धिजीवियों और संगठनों को शामिल किया जा सकता है। इन महानुभावों को सभी गाँवों के उत्थान के लिए केन्द्रीय समिति और प्रत्येक ग्राम स्तर पर विविध कार्यों के लिए बनाई जाने वाली समितियों में शामिल किया जा सकता है। श्रद्धालु ग्रामवासियों को समग्र योजना बताई जाए और हर गाँव के विकास कार्यों में सहयोग-साझेदारी करने के संकल्प यज्ञ की पूर्णाहुति के समय दिलाए जायें।

ऐसे प्रयासों से मिशन की विविध योजनाओं के क्रियान्वयन को तो गति मिलेगी ही, परस्पर सहयोग से जनहित के बड़े-बड़े काम हो सकेंगे। ग्राम स्वच्छता, सुव्यवस्था, शासकीय योजनाओं की जानकारी, उनका क्रियान्वयन, ग्राम स्वावलम्बन को प्रोत्साहन, रोजगार, जैविक कृषि को प्रोत्साहन, जरूरतमंदों का सहयोग जैसी अनेक गतिविधियाँ हैं जिन्हें सहकारिता के आधार पर अधिक प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है।

युग निर्माण की लक्ष्य सिद्धि के लिए 'मशाल' का जीवंत स्वरूप उभरना ही चाहिए। जनहित की ऐसी योजनाओं के माध्यम से ही लोगों को साधना, सेवा, सद्‌भाव, सृजनशीलता, सदाचार, सहकार की सत्प्रवृत्तियों के साँचे में ढालकर यज्ञ पिता-गायत्री माता को सही मायनों में उनके जीवन में प्रविष्ट कराया जा सकता है। ऐसी योजनाओं से हमारा व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण व राष्ट्र निर्माण का अभीष्ट प्रयोजन पूरा होगा, हमारा शिष्यत्व सार्थक सिद्ध होगा।

सद्‌गुरु की प्रेरणा से बही सृजन, संवेदना की बयार, हो रहा है धरती माता का श्रृंगार

गायत्री परिवार नरोडा ने लगाए लगभग 2800 पेड़

अहमदाबाद। गुजरात

गायत्री परिवार नरोडा ने इस वर्ष बृहद् वृक्षारोपण अभियान चलाया है। विश्व पर्यावरण दिवस से आरंभ हुए वृक्षारोपण अभियान में जुलाई माह तक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 2800 से अधिक वृक्षों की पौध लगाई गई।

नरोड़ा शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 821 पेड़ लगाए गए। उसके बाद 23 जुलाई को छोटे-छोटे कार्यक्रमों के माध्यम से 500 पेड़ लगाए गए। अगले रविवार को वात्रक नदी के तट पर केदारेश्वर महादेव में गायत्री परिवार ट्रस्ट नरोडा और गायत्री परिवार प्रज्ञा मंदिर सरदार चौक के विशेष सहयोग से जापानी मियावाकी पद्धति से 1500 पेड़ लगाए गए। इस कार्य में तेलनार ग्राम दूध मंडली के माध्यम से अमूल डेयरी आनंद का विशेष सहयोग रहा। तेलनार गाँव के युवाओं ने ट्रैक्टर, खाद, पानी जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत सहयोग किया।

नरोड़ा में हो रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम का विहंगम दृश्य

जिले में रोपे गए 1000 पौधे

धमतरी जिले में वृक्षारोपण करते ग्रामीण

धमतरी। छत्तीसगढ़

वृक्षारोपण मास में अगस्त के प्रथम सप्ताह तक धमतरी जिले में 1000 से अधिक वृक्षों की पौध लगाई जा चुकी है। जिला समन्वयक श्री दिलीप नाग ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान जिले के पाँचों विकास खण्ड धमतरी, कुरुद, मगरलोड, नगरी एवं भखारा में बड़े उत्साह के साथ चलाया जा रहा है। गाँव-गाँव वृक्षारोपण कार्य चल रहा है। हर क्षेत्र में फलदार, फूलदार, छायादार, देव वृक्ष एवं औषधीय पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने वृक्षारोपण अभियान को धरती का श्रृंगार बताते हुए इस कार्य में संलग्न सैकड़ों परिजनों को प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि धमतरी जिले में इस वर्ष 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

सीमा सुरक्षा बल सेक्टर मुख्यालय में श्रीराम स्मृति उपवन की स्थापना

जैसलमेर। राजस्थान

सीमा सुरक्षा बल सेक्टर मुख्यालय जैसलमेर परिसर में 108 वीं वाहिनी और दिया जैसलमेर द्वारा श्रीराम स्मृति उपवन की स्थापना की गई। इस अवसर पर कमाण्डेण्ट श्री अनु टी. पी., द्वितीय कमान अधिकारी श्री उत्कर्ष कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। सीमा सुरक्षा बल के पुरुष और महिला जवानों द्वारा तरु पूजन के पश्चात् राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा तथा प्रकृति और प्राणी मात्र के कल्याण के लिए स्वस्ति वाचन और गायत्री मंत्र से प्रार्थना की गई। तत्पश्चात् जवानों और दिया के कार्यकर्त्ताओं ने मिलकर श्रीराम स्मृति उपवन में 251 वृक्षों की पौध रोपी।

कमाण्डेण्ट अनु टी.पी. ने जवानों को पेड़ों के साथ मित्र जैसा आत्मिक संबंध बनाकर उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। दिया रमेश छंगाणी ने बताया कि कमाण्डेण्ट महोदय ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति गायत्री परिवार के युवाओं की संवेदनशीलता की। उन्होंने अपनी कमान के जवानों हेतु तनाव प्रबंधन और व्यसन मुक्ति के कार्यक्रमों में सहयोग का आह्वान किया। सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों को गायत्री मंत्र बोर्ड और साहित्य प्रदान कर सम्मानित किया।

जैसलमेर के नवनिर्मित श्रीराम स्मृति उपवन में वृक्षारोपण

गायत्री परिवार की वृक्ष काँवड़ यात्राओं ने समाज को प्रभावित किया

1500 वृक्षों की विशाल काँवड़ यात्रा

कायमगंज, फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश

सावन में भक्तगण भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए काँवड़ में गंगाजल लाकर उनका अभिषेक करते हैं। गायत्री परिवार की कायमगंज शाखा ने वृक्ष काँवड़ यात्रा निकाली और पूजन-प्रार्थना के पश्चात् वृक्षों का रोपण किया। उप जिलाधिकारी श्री यदुवंश कुमार वर्मा ने इस प्रेरणादायी परम्परा का स्वागत करते हुए कहा कि मैंने ऐसी अनूठी काँवड़ यात्रा पहले नहीं देखी।

यात्रा का शुभारंभ उप जिलाधिकारी श्री वर्मा, नगर पालिका कायमगंज के अध्यक्ष डॉ. शरद गंगवार एवं श्रीमती अनुराधा दुबे ब्लॉक प्रमुख कायमगंज द्वारा दीप प्रज्वलन एवं वृक्षों के पूजन के साथ हुआ। परिव्राजक श्रीनिवास जी ने प्रेरणाप्रद गीतों से वृक्षारोपण के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाया। श्री हरिओम सक्सेना जी ने वृक्ष काँवड़ यात्रा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस विशेष काँवड़ यात्रा में कायमगंज के आदर्श इंटर कॉलेज, सीपी विद्या निकेतन, शकुंतला डिग्री कॉलेज, गायत्री विद्यापीठ, एपी पब्लिकल स्कूल एवं कौशल विकास मिशन के अंतर्गत चलने वाले विद्यालयों के बच्चों ने सहयोग किया। गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्त्ता सर्वश्री गोविंद सिंह राठौर, सुरेन्द्र गुप्ता, रिशु गंगवार, आलोक दीक्षित, शोभित पाण्डेय, सचिन, देवदत्त शाक्य, सुमन राजपूत संध्या राजपूत, सरिता दुबे आदि का यात्रा में अग्रणी योगदान रहा।

जिलाधिकारी का सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में उप जिलाधिकारी कायमगंज का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने लगभग 1500 वृक्षों की इस काँवड़ यात्रा में वृक्षारोपण के लिए व्यवस्था की एवं वह पूरी यात्रा में साथ रहे। कुछ संस्थाओं ने पुष्पवर्षा एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की थी।

5100 तरु प्रसाद वितरण

बहराइच। उत्तर प्रदेश

गायत्री परिवार जनपद बहराइच द्वारा 11 अगस्त को वृक्ष काँवड़ यात्रा निकाल कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। सर्वप्रथम गायत्री शक्तिपीठ बहराइच पर एकत्रित हुए पूरे जिले के परिजनों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शक्तिपीठ से यात्रा आरंभ हुई और नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए डीएम कार्यालय स्थित धरना स्थल पहुँची। शासन प्रशासन व नगर के प्रतिष्ठित गणमान्यों सहित कई लोगों ने गायत्री परिवार के इस कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रसंशा की और 5100 वृक्षों का तरु प्रसाद रूप में वितरण किया गया।

कार्यक्रम में डीएफओ बहराइच, एसडीओ वन विभाग, जिला उद्यान अधिकारी बहराइच, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी, नगर पालिका अध्यक्ष, कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था का सूत्र संचालन जिला युवा प्रकोष्ठ के श्री अवधेश सिंह जी ने किया।

दिल्ली में वृक्ष काँवड़ यात्रा

पूर्वी दिल्ली।

गायत्री परिवार की पूर्वी दिल्ली शाखा ने महिला कॉलोनी, गाँधीनगर में स्थित पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य नवग्रह वाटिका का द्वितीय वार्षिकोत्सव मनाया। पवित्र श्रावण मास में मनाए गए इस समारोह में निकाली गई वृक्ष गंगा काँवड़ यात्रा आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रही, जिसमें अनेक तरह के पौधों को शामिल किया गया था। दिल्ली में अपनी तरह की यह पहली काँवड़ यात्रा थी, जिसमें 700 लोगों ने भाग लिया। गायत्री शक्तिपीठ विश्वास नगर से आरंभ हुई यह यात्रा नवग्रह वाटिका पर पहुँचकर सभा में परिवर्तित हो गई।

गायत्री चेतना केन्द्र के व्यवस्थापक श्री बालरूप शर्मा ने सभा को संबोधित किया। उनके द्वारा उपस्थित पर्यावरण मित्रों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह संयोजक श्री पुनीत जी ने अपने संदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्थानीय निगम पार्षद श्री संदीप कपूर, गाँधीनगर की पार्षद श्रीमती प्रिया कम्बोज, नवग्रह वाटिका के सहयोगी व्यापारी, गाँधीनगर के विधायक श्री अनील वाजपाई और विप्र फाउंडेशन दिल्ली प्रान्त के अध्यक्ष श्री कमल शर्मा, विश्वजीत शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम पूर्वी जोन समन्वयक श्री सज्जन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सभा के उपरांत पौधों को डीएवी स्कूल नंबर-2 में रोपा गया।

त्रैमासिक संगीत प्रशिक्षण सत्र शान्तिकुञ्ज में 1 अक्टूबर 2023 से

शान्तिकुञ्ज में नियमित रूप से चलने वाले त्रैमासिक संगीत प्रशिक्षण सत्रों की श्रृंखला का अगला सत्र 1 अक्टूबर 2023 से प्रारम्भ होगा। इस सत्र में मात्र ऐसे भाइयों को प्रवेश दिया जाएगा, जिन्हें मिशन के 10-15 गीत तैयार हों, जो अपने क्षेत्रों में मिशन का कार्य करते हों एवं तबला+नाल बजा लेते हों। ऐसे भाइयों को 3 महिने का अग्रिम प्रशिक्षण देकर टोली में भेजा जा सकता है।

नोट :- अधिक पूछताछ के लिए संगीत विभाग, शान्तिकुञ्ज से सम्पर्क करें।

फोन नम्बर-01334-260602, एक्स.1190

मोबाइल : 9258369890, 9258369812, 9258360612

Email: sangeetvibhag@awgp.org

www.awgp.org shivir पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

शान्तिकुञ्ज द्वारा प्रान्तीय कन्या/ किशोर कौशल प्रशिक्षक प्रशिक्षण सत्र

प्रांतवार सत्रों की तिथियाँ (ऑनलाइन प्रशिक्षण)

गायत्री तीर्थ शांतिकुंज द्वारा प्रांतीय स्तर पर 15 दिवसीय ऑनलाइन कन्या किशोर कौशल प्रशिक्षक प्रशिक्षण सत्र प्रारंभ किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण शिविर online चलेंगे, अतः पंजीयन भी online ही होगा। हर प्रांत हेतु शिविर से 3 माह पूर्व ही पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी एवं उसके लिए वेबसाईट www.awgp.org पर लिंक उपलब्ध होगा। जोनल समन्वयकों द्वारा भी यथा समय लिंक उपलब्ध करा दिया जाएगा।

हर प्रांत के लिए अलग-अलग महीने में सत्र निर्धारित हैं। राजस्थान के अलावा सभी के लिए यह सत्र संबंधित महीने की **16 से 30 तारीख में** चलेंगे। प्रशिक्षण का समय होगा **अपराह्न 3: 30 से 5:00 बजे तक।**

किस प्रांत का शिविर किस माह में है :-

सितंबर 2023 - गुजरात
अक्टूबर 2023 - एनसीआर
दिसंबर 2023 - बिहार/झारखंड
जनवरी 2024 - मध्य प्रदेश
14 से 28 फरवरी 2024-राजस्थान,
16 से 30 मार्च 2024 - छत्तीसगढ़
16 से 30 अप्रैल 2024-महाराष्ट्र
16 से 30 मई 2024 - उत्तर प्रदेश
16 से 30 जून 2024 - उड़ीसा /वेस्ट बंगाल / असम/ मेघालय/ मिजोरम/ त्रिपुरा/ अरुणाचलप्रदेश/ मणिपुर/ सिक्किम/नागालैंड
16 से 30 जुलाई2024-हरियाणा/पंजाब/उत्तराखंड/हिमाचल/जम्मू कश्मीर
16 से 30 अगस्त 2024 - आंध्र प्र./कर्नाटक/ केरल /तेलंगाना/ अं. निकोबार

जनजीवन को प्रभावित कर रही है युग सृजेताओं की समाज निष्ठा

मेडीकल कॉलेज में समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश
आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी की लखनऊ टीम ने प्री प्लानिंग के अंतर्गत एफ आई नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज लखनऊ में कार्यशाला आयोजित की। दिनांक 28 जुलाई 2023 को 'समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का सभी छात्र-छात्राओं ने हार्दिक स्वागत किया और ऐसी कार्यशालाएँ भविष्य में आयोजित करते रहने का आग्रह किया। इस कार्यशाला में श्रीमती सुमित्रा श्रीवास्तव ने गर्भवती बहिनों के आहार, उनकी दिनचर्या एवं व्यक्तित्व विकास का वैज्ञानिक प्रतिपादन करते हुए सभी श्रोताओं को बहुत प्रभावित किया।

श्रीमती सुमित्रा श्रीवास्तव मेडीकल कॉलेज के शिक्षक-विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

मुस्लिम समुदाय के इस कॉलेज में पीपीटी के माध्यम से संस्कार की वैज्ञानिकता और माता-शिशु पर होने वाले उसके प्रभावों के ज्ञान-विज्ञान को बहुत पसंद किया गया। कालेज की प्रोफेसर श्रीमती रितु राठौर ने ऐसी ज्ञान-विज्ञानयुक्त कार्यशाला के आयोजन का आमंत्रण दिया, जिसे लखनऊ टीम ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

शान्तिकुञ्ज के लोकसेवी प्रशिक्षण सत्र में ढली 70 बेटियाँ

उज्जैन शाखा ने उनकी प्रतिभा का परिचय देने के लिए आयोजित किया समारोह

सामाजिक उत्कर्ष के लिए होगा उनकी प्रतिभा का भरपूर प्रयोग

उज्जैन। मध्य प्रदेश
उज्जैन जिले के माकड़ौन क्षेत्र की 70 बालिकाओं ने इस वर्ष जून माह में शान्तिकुज में चलने वाले एक मासीय युग शिल्पी प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। गायत्री परिवार उज्जैन ने उनकी प्रतिभा से समाज को परिचित कराने के लिए एक समारोह का आयोजन कर प्रशंसनीय कार्य किया। युवा प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक श्री मुकेश पाटीदार ने बताया कि उज्जैन शाखा उन बालिकाओं की प्रतिभा का समाज के नवनिर्माण में भरपूर उपयोग करेगी।

समारोह माकड़ौन की उमिया माता धर्मशाला में आयोजित हुआ। इसमें बालिकाओं ने गायन, ढपली वादन, योगाभ्यास, दीपयज्ञ संचालन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालिकाओं के अभिभावकों ने अपनी अभिव्यक्ति में बताया कि हमने सोचा भी नहीं था कि हमारी बच्ची इतना अच्छा सीखकर आएगी। श्री देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया

जनजागृति के गीत गाती और वृक्ष काँवड़ यात्रा निकालती बेटियाँ

कि बाल संस्कार शाला संचालन, घर-घर यज्ञ, सामूहिक पुंसवन संस्कार जैसे कार्यक्रमों में इन बच्चों की प्रतिभा का उपयोग किया जाएगा। इससे उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व में भी निखार आएगा।

येरवड़ा जेल के बंदीगण भी अश्वमेध यज्ञ मुम्बई में कर रहे हैं भागीदारी

गायत्री मंत्र लेखन साधना अनुष्ठान करते हुए करेंगे महायज्ञ में भागीदारी स्वरूप

पुणे। महाराष्ट्र
महाराष्ट्र की सबसे बड़ी जेल यरवड़ा केन्द्रीय कारागार, पुणे में गायत्री परिवार द्वारा 30 जुलाई को दीपयज्ञ के साथ बंदी सुधार कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। मध्य प्रदेश के कारागारों में प्रमुखता से बंदी सुधार अभियान के संयोजक श्री प्रेमलाल कुशवाहा ने बंदीगणों को गायत्री परिवार के विचार और उनके द्वारा चलाए जा रहे विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के कारागारों में चलाए जा रहे कार्यक्रमों से कैसे बंदियों का जीवन बदल रहा है।

दीपयज्ञ के अवसर पर विश्व के सुमंगल, सबके लिए सद्बुद्धि और उज्ज्वल भविष्य के उद्देश्य से मुम्बई में जनवरी 2024 में आयोजित हो रहे अश्वमेध महायज्ञ की जानकारी भी बंदियों को दी गई। मानवीय उत्कर्ष के इस सामूहिक अनुष्ठान में साधनात्मक भागीदारी का आह्वान बंदीगणों से किया गया। बंदियों ने बड़ी प्रसन्नतापूर्वक अपनी सहभागिता का आश्वासन दिया। वे अश्वमेध यज्ञ के निमित्त गायत्री मंत्र लेखन साधना करेंगे। गायत्री परिवार इसके लिए निःशुल्क पुस्तिकाएँ और पेन उपलब्ध करा रहा है।

दीपयज्ञ का शुभारंभ जेल अधीक्षक श्री एसएन ढमाल ने दीपयज्ञ के साथ किया। गायत्री परिवार की ओर से श्री रघुनाथ प्रसाद हजारी और प्रतिभाताई मुले ने कार्यक्रम को संबोधित किया। सद्बुद्धि जगाने वाले, सही राह दिखाने वाले गायत्री महामंत्र की महत्ता समझाई गई। बंदियों ने अपने दोष-दुर्गुणों की देवदक्षिणा देकर दीपयज्ञ की पूर्णाहुति की।

53वें शिविर में 224 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

टाटानगर। झारखण्ड
नवयुगदल टाटानगर ने 23 जुलाई को 53वाँ रक्तदान शिविर आयोजित किया। जमशेदपुर ब्लड बैंक में संपन्न इस कार्यक्रम में कुल 224 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। अभी तक के सभी 53 शिविरों में रक्तदान करने वाले प्रांतीय युवा संयोजक श्री संतोष कुमार राय ने शिविर की सफलता में सहयोगी रहे नवयुग दल के संजीव सिन्हा, चंद्रधर, कुंवर प्रसाद मालाकार, अमरजीत, राजा, शंकर, वासुदेव पाल, संतोष, पप्पू, अशोक, प्रशान्त, राहुल भगत, भक्त प्रहलाद के साथ प्रज्ञा महिला मंडल की निवेदिता, संगीता, प्रीति, दिव्या,

वन्दना, शकुंतला, रंजीता राय आदि सभी कार्यकर्त्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने श्री हरितेश कुमार (समाजसेवी), श्री के.के. सिंह (एचडीएफसी बैंक के अधिकारी), गायत्री परिवार की श्रीमती सारंधा देवी, श्रीमती रेखा शर्मा एवं श्रीमती मंजू मोदी आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नारी शक्ति द्वारा संचालित प्रखर साधना अभियान

20 करोड़ से अधिक गायत्री महामंत्र का जप हुआ

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश (एनसीआर)
महिला मंडल बीटा सेक्टर, ग्रेटर नोएडा सन् 2011 से एनसीआर में गायत्री महामंत्र जप एवं मंत्र लेखन का प्रखर साधना अभियान चला रहा है। इस साधना की बुनियाद पर अनेक साधनात्मक, प्रचारात्मक एवं रचनात्मक आन्दोलनों को शानदार गति मिल रही है। जिला की समन्वयक सुश्री उषा चौधरी ने बताया कि एनसीआर में गुरु पूर्णिमा के उपरांत उनके द्वारा 13वाँ साधना अनुष्ठान आयोजित हुआ, जिसमें 1 करोड 66 लाख गायत्री महा मंत्र जप किया गया। इसकी पूर्णाहुति गायत्री चेतना केन्द्र नोएडा में सम्पन्न हुई। श्रीमती उषा चौधरी बताती है कि इस साधना अभियान के अंतर्गत सन् 2011 से अब तक 20 करोड़ से अधिक गायत्री महामंत्र का जप हो चुका है। यह अभियान जन्मशताब्दी वर्ष सन् 2026 तक चलता रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इस प्रखर साधना अभियान को गति देने में विजय, शशि सिंह, हेमा, अपर्णा, कृष्ण कांति राय, ममता सिंह, मंजू शर्मा, नीरज सिंह आदि अपनी श्रद्धा और समयदान के माध्यम से गुरुसत्ता के प्रति समर्पण भाव का शानदार परिचय दे रहे हैं।

13वें साधना अनुष्ठान के पूर्णाहुति समारोह में पुंसवन संस्कार कराने वाली बहिनें

महिला मण्डल की गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

- 17000 मंत्र लेखन पुस्तिकाएँ लिखी गईं।
- प्रति माह पाँच/नौ कुंडीय यज्ञ की शृंखला।
- 87 विभिन्न परिवारों में 24000 गायत्री मंत्र जप के कार्यक्रम।
- हर माह दो दिन सामूहिक गर्भ संस्कार के आयोजन।
- मंडल की 24 सक्रिय कार्यकर्ता बहिनें अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न अभियानों को गति दे रही हैं।
- स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के घर पर बने अचार, मिठाइयाँ आदि का लागत मूल्य पर वितरण।
- देवस्थापना, दीक्षा, बलिवैश्व यज्ञ एवं संस्कार परम्परा का व्यापक विस्तार।

एक कैंसर पीडित साधक की आप बीती

गायत्री मंत्र के सुरक्षा कवच से मिला जीवन दान

राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़
मैं अप्रैल 2023 में स्वयं को अस्वस्थ अनुभव कर रहा था। मैं रायपुर के एम्स अस्पताल पहुँचा। डॉक्टरों की राय के अनुसार एमआरआई और पैट स्कैन कराया गया। इन परीक्षणों में शरीर में कैंसर के रोगाणु फैले दिखे, जो पूरे शरीर में फैल गए थे। परीक्षण कर रहे डॉक्टरों और अपने मिशन के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. अरुण मढ़रिया ने तुरंत बड़ी जगह जाकर इलाज शुरू कराने की सलाह दी। मैं नागपुर के प्रसिद्ध राष्ट्रीय कैंसर इंस्टीट्यूट में गया। देश के सुप्रसिद्ध डॉक्टर आनंद पाठक की देखरेख में बायप्सी हुई, कई तरह के ब्लड टेस्ट हुए। सभी जाँचों से स्पष्ट हो गया कि कैंसर है।

सारी टेस्ट रिपोर्ट देखकर श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी और आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी को भेजी गई तो उन्होंने परम पूज्य गुरुदेव, वंदनीया माताजी के संरक्षण, आशीर्वाद मिलने का आश्वासन दिया। मैंने उपचार कराने का मन बना लिया। डॉक्टरों की टीम ने उपचार आरंभ करने से पहले सभी रिपोर्ट्स देखीं। तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी। डॉक्टरों ने देखा कि अलग-अलग रिपोर्ट्स में परस्पर विरोधाभास दिखाई दे रहा है। वे एक-दूसरे को काट रही हैं। कैंसर के रोगाणु अंदर ही समाप्त होते दिखाई दे रहे थे। डॉक्टर समझ नहीं पाए कि इलाज कैसे शुरू किया जाए? अंततः चिकित्सकों ने एक माह के लिए घर पर रहकर ही एलोपैथिक गोलियों का कोर्स आरंभ कर दिया। उनकी नजरों में यह अद्भुत केस था। उन्होंने बताया कि ऐसा लाखों मरीजों में किसी एक में पाया जाता है।

गुरुकृपा ही थी मैं कैंसर के उपचार की त्रासदायी प्रक्रिया से बच गया। मैं इसका कारण अपनी नियमित गायत्री उपासना को ही मानता हूँ। उल्लेखनीय है कि मैं विगत 6 वर्षों से नियमित रूप से गायत्री मंत्र लेखन कर रहा हूँ। आज साधना की यही शक्ति मेरा सुरक्षा कवच बन गई है। मेरा इतना बड़ा संकट बहुत सरलता, बिना कोई कष्ट पाये टल गया। आज मैं अपने परिवार के साथ खुश हूँ। **जुगल किशोर लड्ढा, राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़**

117 बार रक्तदान करने वाले प्रो. बी.के. सिंह

टाटानगर। झारखण्ड
गायत्री परिवार के साथ लायंस क्लब जमशेदपुर, रोटरैक्स क्लब, कोल्हान विवि. आदि से जुड़कर समाज सेवा का शानदार उदाहरण प्रस्तुत कर रहे प्रो. बी.के. सिंह को 117 बार रक्तदान के लिए (79 बार रक्त और 38वीं बार प्लेटलेट्स) सम्मानित किया गया। यह सम्मान 117वीं बार एक डेंगू के रोगी के लिए रक्तदान करते समय जमशेदपुर ब्लड सेंटर में जेबीसी के महाप्रबंधक श्री संजय चौधरी ने दिया।

> दूसरे का धर्म भले ही श्रेष्ठ मालूम हो, उसे ग्रहण करने में मेरा कल्याण नहीं है। सूर्य का प्रकाश मुझे प्रिय है, उस प्रकाश में मैं बढ़ भी रहा हूँ। सूर्य मुझे वंदनीय है, परन्तु इसीलिए यदि मैं पृथ्वी पर रहना छोड़कर उसके पास जाना चाहूँगा तो जलकर खाक हो जाऊँगा। *- महात्मा विनोबा*

सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना जगाने के लिए हो रहे उत्कृष्ट प्रयास

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2022 के पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह

राज्य स्तर पर अग्रणी रही कु. अंजली व कु. हर्षिता का सम्मान

भिलाई, दुर्ग। छत्तीसगढ़

वर्ष 2022 में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में राधना पब्लिक सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, केम्प-2, भिलाई पॉवर हाउस की कक्षा 11वीं की छात्रा कु.अंजली यादव, पिता रामखिलावन यादव प्रथम रही। इसी विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा कु.हर्षिता सोनी, पिता उत्तम कुमार सोनी ने राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। 5 अगस्त 2023 के दिन भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला प्रभारी श्री आर. के. सिंह के नेतृत्व में गायत्री परिवार के प्रतिनिधि राधना पब्लिक सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल पहुँचे। एक सादे समारोह में उन्होंने दोनों छात्राओं को निर्धारित पुरस्कार राशि क्रमशः रु. 2500/- तथा रु.1000/- नगद व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर

विद्यालय पहुँचकर छात्राओं को सम्मानित करते परिजन

उपस्थित संस्था के डायरेक्टर श्री गोविंद कुमार वर्मा ने बच्चों एवं समाज के लिए गायत्री परिवार द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रसंशा की। उन्होंने बताया कि वे स्कूल के बच्चों एवं स्टाफ को देव संस्कृति विश्वविद्यालय एवं शान्तिकुञ्ज का भ्रमण कराने पर विचार कर रहे हैं। समारोह में प्राचार्या अनिता वर्मा सहित शिक्षक-विद्यार्थी और गायत्री परिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

वर्ष-2023 की परीक्षा में बेहतर सहयोग का वातावरण बना

जोबट में आयोजित कार्यक्रम में सहयोगियों का सम्मान

बरघाट में आयोजित कार्यक्रम का सम्मानित मंच व प्रतिभागीगण

जोबट, अलीराजपुर। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ जोबट द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला एवं तहसील स्तरीय सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। शासकीय महाविद्यालय जोबट के प्राचार्य डॉ. के. भूरिया एवं गायत्री परिवार के जिला समन्वयक श्री संतोष वर्मा समारोह के मुख्य अतिथि थे।

श्री संतोष वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में देशभर में आयोजित हो रही परीक्षा योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इसे बच्चों में सांस्कृतिक चेतना जागरण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम बताते हुए 5 अक्टूबर 2023 को आयोजित होने वाली इस वर्ष की परीक्षा में अधिकाधिक विद्यार्थियों को शामिल करने में सहयोगी बनने का आह्वान उपस्थित प्रत्येक शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थियों से किया।

डॉ. भूरिया ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को छात्रों के नैतिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं चारित्रिक विकास में सहायक और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने वाला अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम बताया।

समारोह में जिला स्तर पर 27 और तहसील स्तर पर 120 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। परीक्षा में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित करने में सहयोगी विशिष्ट महानुभावों को शासकीय महाविद्यालय के प्रोफेसर आवास्या ने पुष्पमाला, शील्ड, साहित्य देकर सम्मानित किया।

समारोह में जिला संयोजक श्री शिवराम वर्मा ने विशिष्ट जानकारियाँ दीं। आरंभ में शक्तिपीठ व्यवस्थापक डॉ. शिवनारायण सक्सेना एवं श्री बाबूलाल वाणी ने अतिथियों का स्वागत किया।

बरघाट, सिवनी। मध्य प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ बरघाट में दिनांक 30 जुलाई को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2022-23 का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। श्री वीरेंद्र बिसेन प्राचार्य उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय बरघाट की अध्यक्षता, श्री राजेंद्र कुमार राहंगडाले प्राचार्य शा.उ.मा. शाला बुढेना कला के मुख्य आतिथ्य एवं गायत्री परिवार के श्री सुंदरलाल बघेल गायत्री परिवार सिवनी, श्रीरामसिंग राहंगडाले के विशिष्ट आतिथ्य में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रत्येक कक्षा वर्ग में अग्रणी रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक चेतना के उत्थान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। आगामी वर्ष में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शामिल करने का आह्वान उपस्थित शिक्षकों से किया गया।

बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाया

सूरत। गुजरात : ओलपाड तहसील निवासी श्री गणपतभाई लाड ने अपने 82वें जन्मदिन-27 जुलाई को जीवनदीप विद्यालय, सयान, ओलपाड के इंटर कॉलेज में एक सेमीनार का आयोजन किया, विषय था 'सफल जीवन के लिए दिशा-निर्देश'। सेमीनार में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। दिया, सूरत के श्री सुधीर पटेल ने परम पूज्य गुरुदेव के साहित्य के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास, संयम, दृढ़ संकल्प, नियमितता, कड़ी मेहनत, ईमानदारी आदि सूत्र समझाये।

इस समारोह में लगभग 200 विद्यार्थी और उनके अभिभावकों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली। दीक्षा संस्कार श्री गणपत भाई लाड ने सम्पन्न कराया। विद्यालय के पुस्तकालय हेतु युग साहित्य भेंट किया गया। सभी शिक्षक-विद्यार्थियों को भी उपहार स्वरूप साहित्य दिया गया।

देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे जवानों के लिए विद्यार्थियों ने अपने हाथ से बनाकर भेजी राखियाँ

राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़

गायत्री परिवार द्वारा संचालित नगर की प्रतिष्ठित शाला गायत्री विद्यापीठ के कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने सीमा पर तैनात भारतीय सिपाहियों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बाँधने हेतु रंग-बिरंगी राखियाँ बनाईं। बच्चों ने इन राखियों में अपनी देश प्रेम की भावना को उकेरा था। कुछ राखियों में बच्चों द्वारा प्यारा-सा संदेश भी लिखा गया। बच्चों ने यह राखियाँ भूतपूर्व सैनिक कल्याण संगठन राजनांदगाँव के आह्वान पर बनाई थीं।

देवास शाखा का गृहे-गृहे यज्ञ अभियान

रैली निकाल कर किया जनजागरण

देवास। मध्य प्रदेश

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा देश-विदेश में चलाए जा रहे गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ-उपासना अभियान के अंतर्गत देवास शाखा ने 23 जुलाई को नगर के मोती बंगला कॉलोनी के 24 घरों में गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराए। इन परिवारों का देव परिवार के रूप में वरण किया गया। एक ही समय पर एक साथ इन 24 घरों में यज्ञ कराए जाने से पूर्व यज्ञाचार्यों और गायत्री परिवार के समर्पित कार्यकर्त्ताओं ने जनजागरण रैली निकालकर सभी कॉलोनी वासियों को इन यज्ञों में भागीदारी का आमंत्रण दिया।

पुरुषोत्तम मास होने के कारण लोगों में यज्ञ के प्रति विशेष आस्था थी। यजमान परिवारों को गायत्री और यज्ञ का दर्शन समझाया गया, युग परिवर्तन जैसे महान लक्ष्य के साथ किए जा रहे विराट वैश्विक अभियान में भागीदारी का आह्वान किया गया। लोगों में आत्म परिष्कार एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्प उभारे गए। परिवारी जनों से बुराइयों की देवदक्षिणा दिलाई गई।

देवास शाखा ने चौथा पौधारोपण कार्यक्रम टेकरी परिसर के पाथवे के समीप आयोजित किया। इसमें स्थानीय लोगों को वृक्षारोपण और वृक्षों के संरक्षण की प्रेरणा देते हुए बड़ी संख्या में फलदार और छायादार वृक्षों की पौध लगाई गई।

श्री प्रमोद निहाले ने गृहे-गृहे यज्ञ अभियान को अपने बच्चों को अपनी संस्कृति, संस्कार परम्परा और अध्यात्म के उदात्त आदर्शों के साथ जोड़ने का अत्यंत महत्त्वपूर्ण अभियान बताते हुए इसे नगर के हर वॉर्ड में पहुँचाने में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

हर रविवार विकास खंड के एक नए गाँव में होता है गायत्री महायज्ञ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश

गायत्री शक्तिपीठ बाबूखेड़ा, वृंदावन योजना, लखनऊ द्वारा अपने जनपद के सरोजनी नगर और मोहनलालगंज विकास खण्ड के विभिन्न गाँवों में प्रत्येक रविवार को गायत्री महायज्ञ के आयोजन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस क्रम में अब तक जगतखेड़ा, बिरुरा, बरौली, हरिकांसगढ़ी, गोपालखेड़ा, भीलमपुर, ठाकुरखेड़ा, टीकरा एवं टिकरा सानी में सार्वजनिक गायत्री यज्ञों का आयोजन किया गया। हर गाँव में इन यज्ञों के प्रति लोगों का बहुत उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने अपने घर-परिवार में संस्कार और सुविचारों की गंगा प्रवाहित करने के लिए नियमित उपासना, बलिवैश्व यज्ञ, स्वाध्याय आदि के संकल्प लिये।

शक्तिपीठ प्रतिनिधि ने बताया कि कार्यक्रमों का संचालन ब्रह्मवादिनी बहिनों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक कार्यक्रम के पूर्व गाँव में जनजागरण यात्रा निकाली जाती है। कार्यक्रम स्थल पर साहित्य स्टॉल लगाकर जन-जन तक युगऋषि के विचार पहुँचाए गए एवं अखण्ड ज्योति पत्रिकाओं के सदस्य बनाए गए।

अश्वमेध यज्ञ में अपने समय और प्रतिभा की आहुति देंगे टीवी एंकर श्री अशोक श्रीवास्तव

मुम्बई। महाराष्ट्र

नगर के प्रतिष्ठित महानुभावों तक अश्वमेध यज्ञ मुम्बई का संदेश और आमंत्रण पहुँचा रहे 'दिया मुम्बई' के कार्यकर्त्ता डीडी न्यूज के सम्मानित वरिष्ठ एंकर और कार्यकारी संपादक श्री अशोक श्रीवास्तव से मिले और महायज्ञ के उद्देश्य एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के साथ यज्ञ में भागीदारी का आमंत्रण दिया।

श्री अशोक श्रीवास्तव जी कार्यक्रम 'दो टूक' के लिए बहुत लोकप्रिय हैं। उन्हें भारत रत्न धारक भूपेन श्री हजारिका और माननीय अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

अश्वमेध यज्ञ का आमंत्रण और युगसाहित्य का उपहार स्वीकारते हुए उन्होंने इस महायज्ञ की तैयारी के लिए अपने समय और प्रतिभा का लाभ देने का आश्वासन दिया।

दिवंगत देवात्माओं को भावभरी श्रद्धांजलि

श्री नाथूलाल पंचाल, बाँसवाड़ा। राज.

घाटोल तहसील के खमेरा पंचायत क्षेत्र में मिशन की नींव के पत्थर रहे श्री नाथूलाल पंचाल दिनांक 1 अगस्त 2023 को गुरुसत्ता की सूक्ष्म चेतना में विलीन हो गए। उन्होंने सन् 1976 में परम पूज्य गुरुदेव का सान्निध्य प्राप्त किया। तत्पश्चात् गाँव में शक्तिपीठ का निर्माण कर मिशन को गति दी। वर्तमान में उनके दोनों पुत्र प्रवीण एवं महेश पंचाल अपने पिता की भाँति ही गुरुकार्यों के प्रति समर्पित हैं।

श्रीमती माया शर्मा, कुम्हेर, भरतपुर। राजस्थान

कुम्हेर के कथावाचक पं. श्याम सुंदर शर्मा जी की धर्मपत्नी श्रीमती माया शर्मा का 76 वर्ष की आयु में दिनांक 26 जुलाई 2023 को देवलोकगमन हो गया। अपने पति के समान ही उनका जीवन भी मिशन की विविध सेवाओं के लिए पूरी तरह समर्पित रहा। अलवर, खैरथल, नदबई आदि कई 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञों में उन्होंने महीनों का समयदान कर अपना विशिष्ट योगदान दिया।

श्री जगदीश चंद्र पाटीदार, मंदसौर। मध्य प्रदेश

श्री जगदीश चंद्र पाटीदार, जिन्होंने अपना जीवन जन-जन को युगशक्ति गायत्री की सूक्ष्म चेतना से जोड़ने के लिए समर्पित किया, दिनांक 7 अगस्त को अपनी पार्थिव काया त्यागकर आदिशक्ति की दिव्य चेतना में विलीन हो गए। श्री जगदीश जी म.प्र. पुलिस विभाग में सेवारत रहते हुए सन् 1969-70 में परम पूज्य गुरुदेव के संपर्क में आए। तत्पश्चात् 20 वर्षों की सेवा के उपरांत अनिवार्य सेवा निवृत्ति लेकर गुरुकार्यों में जुट गए। केन्द्र व राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्यों, विशिष्ट गणमान्यों को गुरुदेव के विचारों से जोड़ना, उन्हें पत्रिकाओं के सदस्य बनाना स्व. जगदीश जी के जीवन का प्रमुख लक्ष्य रहा।

इंजी. जे.डी. मित्तल, अलीगढ़। उत्तर प्रदेश

गायत्री परिवार अलीगढ़ के वयोवृद्ध वरिष्ठ कार्यकर्त्ता इंजी. जे.डी. मित्तल का दिनांक 15 जुलाई 2023 को देहावसान हो गया। गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधन एवं सक्रियता में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा।

ऐश्वर्य से मन दुर्बल होता है। अभाव में किए गए उत्कर्ष के प्रयासों से वह पुष्ट और बलवान होता है।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी का अमेरिका प्रवास

अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा आदर्श आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी और आदरणीया शेफाली जी दिनांक 28 जुलाई 2023 को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रवास पर पहुँचे। इस प्रवास में उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में आयोजित यूथ कैम्प में भाग लिया। उत्तरी अमेरिका का शान्तिकुञ्ज माने जाने वाले केन्द्र में गुरुस्मारकों की प्राण प्रतिष्ठा की। लिवरमोर, सैन फ्रांसिस्को, बेकर्सफील्ड, हेमेट और लॉस एंजिल्स में भी बड़े महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पन्न हुए। 14 दिवसीय विदेश प्रवास पर गए आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने अमेरिका के बाद इंग्लैण्ड, आयरलैण्ड और पोलैण्ड में भी महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया।

कैलीफोर्निया में यूथ कैम्प सम्पन्न

उच्च उद्देश्यों के लिए जीवन समर्पित करें युवा - डॉ. चिन्मय जी

26 से 30 जुलाई की तिथियों में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया मर्सीड, सैन फ्रांसिस्को में यूथ कैम्प का आयोजन हुआ। अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा आदर्श आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी और आदरणीया शेफाली जी की मुख्य उपस्थिति इस शिविर की प्रमुख विशेषता थी। वे शान्तिकुञ्ज से 28 जुलाई 2023 को यूथ कैम्प में पहुँचे।

संयुक्त राज्य अमेरिका में हर वर्ष यूथ कैम्प का आयोजन होता है। इस वर्ष का विषय था 'वैज्ञानिक अध्यात्म और समग्र स्वास्थ्य', जिसमें अमेरिका और कनाडा के कई क्षेत्रों से आए 325 से भी अधिक परिजन शामिल हुए। ये प्रतिभागीगण विभिन्न आयु वर्ग, पृष्ठभूमि और पेशे से थे। अमेरिका में प्रव्रज्या कर रही प्रो. विश्व प्रकाश त्रिपाठी, श्री ओंकार पाटीदार और सुरेन्द्र वर्मा की शान्तिकुञ्ज की टोली ने इसे सम्पन्न कराया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी और श्रीमती शेफाली जी ने अपने उद्‌बोधनों में वैज्ञानिक तथ्य और प्रमाणों के साथ आध्यात्मिक जीवन की आवश्यकता के संदर्भ में मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अध्यात्म व्यक्ति को अनुशासित और आत्मबल संपन्न बनाते हुए विकास की अनंत संभावनाओं के द्वार खोलता है। उन्होंने युवाओं को उच्च उद्देश्यों के लिए जीवन को समर्पित करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि युवा यदि सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ तो वे समाज की दिशा बदल सकते हैं। आवश्यकता है स्वयं को पहचानने और स्वयं के भीतर की संभावनाओं को साकार करने की।

दोनों के संदेश ने लोगों के हृदयों पर गहरी छाप छोड़ी। प्रतिभागियों ने कहा कि आदरणीय डॉ. चिन्मय जी और शेफाली जी बहुत दयालु और करुणावान हैं। वे लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और समाधान देते हैं। लोगों ने कहा कि डॉ. चिन्मय जी के भाषणों ने उन्हें बेहतर जीवन के बारे में नई सोच दी है।

कुलपति प्रो. कर्ट श्नेयर को युग साहित्य भेंट करते शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि

यूसी मर्सीड के कुलपति से अनुबंधों पर चर्चा

आदरणीय डॉक्टर चिन्मय जी एवं आद. शेफाली जी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया मर्सीड के कुलपति प्रो. कर्ट श्नेयर से मुलाकात की। इस अवसर पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शान्तिकुञ्ज एवं यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया मर्सीड के बीच स्वास्थ्य, योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति आदि विभिन्न विषयों पर अनुबंध संबंधी चर्चा हुई।

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी एवं आदरणीया शेफाली जी यूथ कैम्प को संबोधित करते हुए

कैम्प की गतिविधियों में भाग लेते बच्चे

यशोमाइट, कैलीफोर्निया की उत्तुंग पहाड़ी पर बन रहा है शान्तिकुञ्ज ऑफ नॉर्थ अमेरिका

सोना (Shantikunj of North America) में 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा

'सोना' का भूमि पूजन सन् 2018 में श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने किया था। आज वही पावन धरती अमेरिका वासियों के लिए आध्यात्मिक प्रकाश स्तम्भ बन रही है।

श्रावण मास की पदमिनी एकादशी 29 जुलाई, 2023 के पावन दिन आदरणीय डॉ. चिन्मय जी एवं शेफाली जी उत्तरी अमेरिका का शान्तिकुञ्ज कहे जाने वाली 680 एकड़ भूमि की पहाड़ियों में विकसित हो रही साइट (येशोमाइट नेशनल पार्क) पर पहुँचे। वहाँ 24-कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ गुरुसत्ता के पावन स्मारक 'प्रखर प्रज्ञा-सजल श्रद्धा' की प्राण प्रतिष्ठा की। आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने यज्ञ के ज्ञान और विज्ञान की सारगर्भित व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य को चाहिए कि यज्ञीय भाव से जीवन जीये और जीवन को सार्थकता प्रदान करे।

उत्तरी अमेरिका के कोने-कोने से श्रद्धालु उपस्थित थे। प्राण प्रतिष्ठा के समय वातारण में गुरुसत्ता की दिव्य उपस्थिति का अनुभव होता रहा। यज्ञ से पूर्व कलश यात्रा भी निकली, जिसकी अगुवानी शान्तिकुञ्ज की टोली ने की। इस समारोह में डॉ. अशोक परमार, श्री प्रवीणभाई कपाड़िया, श्रीमती पूर्णिमाबेन कपाड़िया और श्री राहुल शर्मा के परिवार ने भाग लिया। हरेंद्रभाई मंगला (शिकागो), प्रवीणभाई कपाड़िया (लॉंग आइलैंड), श्रीमती शीलाबेन पटेल (फ्लोरिडा), पराग महाल्ले (टेक्सास) और विपुल पटेल (पीए) की प्रमुख उपस्थिति रही।

शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि कलश यात्रा की अगुवानी करते हुए और यज्ञ के समय उद्‌बोधन देते हुए

डलास में होगा अमेरिका का यूथ कैम्प 2025

यूथ कैम्प में ए.डब्ल्यू.जी.पी. डलास के आग्रह पर आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने अगला यूथ कैम्प सन् 2025 में डलास में आयोजित किये जाने की घोषणा की। उन्होंने समस्त अमेरिका और कनाडा के परिजनों को इस कैम्प में आने का भाव-भरा निमंत्रण दिया।

डलास के कार्यकर्त्ताओं में जिम्मेदारियों के वरण का उत्साह

डलास में घर-घर गायत्री यज्ञ

टेक्सास राज्य के डलास शहर में गायत्री परिवार के कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं द्वारा गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ एवं साप्ताहिक अखंड जप का अभियान चलाया जा रहा है। वहाँ सक्रिय शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री ओंकार पाटीदार जी एवं सुरेंद्र नाथ वर्मा द्वारा एक दीप यज्ञ का आयोजन भी किया गया।

लिवरमोर में 'प्रखर प्रज्ञा एवं सजल श्रद्धा' की स्थापना

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने गायत्री चेतना केंद्र लिवरमोर में 'प्रखर प्रज्ञा एवं सजल श्रद्धा' की स्थापना की। कार्यक्रम में गायत्री परिजनों सहित सैकड़ों प्रवासी भारतीय उपस्थित थे। शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि ने कहा कि साधना के माध्यम से जीवन का उत्तरोत्तर विकास कर हम गुरुदेव, माताजी के सपनों को साकार करने हेतु संकल्पित हों।

क्रमशः सैन फ्रांसिस्को, लिवरमोर, बेकर्सफील्ड और हेमेट में परिजनों की कुशलक्षेम जानने और युगतीर्थ शान्तिकुञ्ज की प्राण चेतना का संचार करने घर-घर पहुँचे डॉ. चिन्मय जी, शेफाली जी

हेमेट शहर के ओम सेंटर में गायत्री माता की प्राण प्रतिष्ठा

हेमेट। कैलिफोर्निया

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं आदरणीया शेफाली पण्ड्या जी ने हेमेट शहर के ओम सेंटर में गायत्री माता की प्राण प्रतिष्ठा की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें गायत्री साधकों एवं प्रवासी भारतीयों को यज्ञ के ज्ञान विज्ञान के विषय में विस्तार से बताया गया। यज्ञोपरांत दीप महायज्ञ भी रखा गया था, जिसके प्रभाव से कार्यक्रम स्थल का वातावरण दैवीय ऊर्जा से ओत प्रोत हो गया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी एवं शेफाली जी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उद्‌बोधन देते हुए

इस कार्यक्रम में हेमेट शहर के मेयर एवं सभी काउंसिल मेंबर्स की उपस्थिति रही। डॉ. चिन्मय जी ने उन्हें परम पूज्य गुरुदेव के विचार क्रांति अभियान, सप्त आंदोलन एवं गायत्री परिवार द्वारा देश-विदेश में होने वाले समाज निर्माण के विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों से अवगत कराया।

डॉ. चिन्मय जी ने सभी गणमान्यों को पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट किया, साथ ही शान्तिकुञ्ज एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय आने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर सिटी मेयर ने भी शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में नगर काउंसिलर्स की उपस्थिति और मेयर को युग साहित्य भेंट करते चिन्मय जी

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी का अमेरिका-यूरोप प्रवास

सैन फ्रांसिस्को, बेकर्सफील्ड और लॉस एंजिल्स में हुईं विशाल सभाएँ

सैन फ्रांसिस्को के इंडियन कम्युनिटी सेंटर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते डॉ. चिन्मय जी

सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने सैन फ्रांसिस्को नगर में इंडियन कम्युनिटी सेंटर में प्रवासी भारतीयों को गायत्री परिवार के उद्देश्य एवं गतिविधियों का परिचय दिया। आत्मविकास के सूत्रों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अपने भीतर के देवत्व को जगाने के लिए 'अपने लिए कठोरता और दूसरों के लिए उदारता' के सूत्र को अपनाने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सही मायनों में मनुष्य वही है, जिसमें संवेदना है। अपने लिए तो पशु-पक्षी, कीट-पतंग भी जी लेते हैं। जो दूसरों के लिए जीता है, वही परमात्मा से मिले मानव जीवन के अनमोल उपहार के प्रति न्याय करता है।

शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि कई परिजनों के घर गए, उनकी कुशलक्षेम जानी और परम पूज्य गुरुदेव की युगांतरीय चेतना की स्थापना की।

बेकर्सफील्ड के हिन्दू मंदिर में दीपयज्ञ

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं आदरणीया शेफाली पण्ड्या जी ने बेकर्सफील्ड के हिंदू मंदिर में दीप महायज्ञ संपन्न कराया। दीप यज्ञ की प्रेरणाओं पर प्रकाश डालते हुए आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने कहा कि दीपक स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश बाँटता है। दीपक हमें त्याग, बलिदान की भावना सिखाता है। उन्होंने श्रोताओं को भारतीय संस्कृति के मूलभूत सिद्धांत 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' को आत्मसात् कर समाज उत्थान के कार्य में अनवरत आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी।

दीप यज्ञ में शहर के प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय एवं गायत्री परिजनों ने भाग लिया। शान्तिकुञ्ज की टीम के सदस्य श्री विश्वप्रकाश त्रिपाठी जी, श्री ओंकार पाटीदार जी, श्री सुरेन्द्र वर्मा जी ने दीपयज्ञ संपन्न कराया।

लॉस एंजिल्स में सफल-सुखी जीवन के सूत्र बताए

लॉस एंजिल्स पहुँचने पर गायत्री परिजनों ने आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं आदरणीया शेफाली जी का भव्य स्वागत किया। वहाँ गायत्री चेतना केंद्र पर नैष्ठिक परिजनों एवं प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार आत्मीयता की धुरी पर बना परिवार है। हम सभी को गुरुदेव के बताए सूत्र-सुख बाँटें-दुःख बँटाएँ, अपनी रोटी मिल बाँट कर खाएँ, सलाह लें-सम्मान दें, व्यस्त रहें-मस्त रहें आदि को जीवन में अपनाकर मानवता की सेवा करनी है। जीवन प्रत्यक्ष देवता है, जिसकी साधना-आराधना से ही मनुष्य महामानव और देव मानव बनते हैं।

लॉस एंजिल्स में VA यूनिवर्सिटी और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के मध्य योग, अध्यात्म, स्वास्थ्य संबंधित विषयों पर शैक्षिक अनुबंध (एमओयू) हुआ।

बायें बेकर्सफील्ड के हिन्दू मंदिर में और दायें गायत्री चेतना केन्द्र लॉस एंजिल्स में आयोजित हुईं विशाल जनसभाएँ

ब्रिटेन और आयरलैण्ड में बरसे युगशक्ति गायत्री के प्रेरणा-अनुदान

मेयर की उपस्थिति में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

यज्ञ ही है सफल जीवन व सुखी समाज का आधार
- आद. डॉ. चिन्मय जी

क्रॉली में आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की उपस्थिति में यज्ञ संचालन कर रही शान्तिकुञ्ज की टोली

क्रॉली। ब्रिटेन

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी की गरिमामयी उपस्थिति में पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा के शुभ अवसर पर ब्रिटेन के क्रॉली शहर के श्री सनातन मंदिर में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें क्रौली शहर की मेयर, नगरपालिका प्रमुख और लंदन, क्रॉली, लेस्टर, हैरो, ऑक्सफोर्ड, बर्मिंघम, मैनचेस्टर, वेलिंगबोरो, ब्रिस्टल सहित अनेक शहरों से बड़ी संख्या में आए नैष्ठिक परिजनों ने भाग लिया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने कई महापुरुषों के उद्धरण और दृष्टांतों के माध्यम से यज्ञमय जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यज्ञ की प्रेरणाओं को जीवन में आत्मसात करना ही यज्ञ में दी जाने वाली सच्ची आहुति है। उन्होंने कहा कि सारी सृष्टि यज्ञभाव से ही संचालित है। यज्ञभाव से जीवन जीकर ही मनुष्य और सारा समाज सुखी रह सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने परम पूज्य गुरुदेव व कई उन महापुरुषों का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपने लिए समाज के लिए जीवन जिया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी जहाँ भी गए, वहाँ उन्होंने अपनी चिर-परिचित शैली में परिजनों से बड़ी आत्मीयता पूर्वक भेंट की, उनकी कुशलक्षेम जानी। वे अनेक कार्यकर्त्ताओं के घर गए और वहाँ देवस्थापना के माध्यम से युगशक्ति की प्रखर ऊर्जा का पोषण या बीजारोपण किया।

कार्यक्रम का संचालन ब्रिटेन में पूर्व से ही परिव्रज्या कर रहे शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री परमानंद द्विवेदी, श्री ओंकार पाटीदार जी, डॉ. शिवनारायण प्रसाद, श्री रविकांत साहू एवं श्री शांतनु की टोली ने किया। आयोजकों ने यज्ञस्थल पर साहित्य प्रदर्शनी व महाप्रसाद की सुंदर व्यवस्था की थी।

दीप महायज्ञ में पधारे भारतीय राजदूत

डबलिन। आयरलैण्ड

आयरलैंड की राजधानी डबलिन में अखण्ड ज्योति एवं परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी के प्रयाज क्रम में दीप महायज्ञ रखा गया था। वीएचसीसीआई मंदिर में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयरलैंड में भारतीय राजदूत आदरणीय श्री अखिलेश मिश्रा जी थे। सुदूर क्षेत्रों से आए परिजन और प्रवासी भारतीय भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

डबलिन के मंच पर आद. डॉ. चिन्मय जी और भारतीय राजदूत तथा योग प्रदर्शन करते स्थानीय बच्चे

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने सभी को जीवन रूपी देवता को जगमगाने के महत्त्वपूर्ण सूत्रों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अनेक विसंगतियों से जूझ रहे मनुष्य को सर्वप्रथम आत्मसुधार की साधना करनी चाहिए। स्वयं में बदलाव के साथ ही परिस्थितियाँ स्वयं ही बदलती दिखाई देती हैं। पूज्य गुरुदेव ने यही संदेश ' हम बदलेंगे, युग बदलेगा' सूत्र के माध्यम से दिया है।

यूनेस्को में विश्व शान्ति के लिए आत्मिक प्रगति की प्रेरणाएँ

वारसा। पोलैंड

पोलैंड की राजधानी वारसा पहुँचे देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने यूनेस्को पोलैंड की सेक्रेटरी जनरल डॉक्टर अलेक्जा से भेंट की। यूनेस्को में वार्ता हुई तथा वहाँ के सदस्यों को संबोधित करते हुए वैश्विक शान्ति तथा प्रगति के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार तथा देसंविवि द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी। परम पूज्य गुरुदेव के मानवतावादी दृष्टिकोण का परिचय देते हुए उन्होंने कहा कि हम सबको स्वार्थ की भावना को त्याग कर समाज में समरसता और सद्भाव का वातावरण तैयार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

यूनेस्को पोलैंड की सेक्रेटरी जनरल डॉ. अलेक्जा से आद. डॉ. चिन्मय जी की भेंट

लुब्लिन में एमओयू हुआ

वारसा से आद. डॉ. चिन्मय जी पोलैंड के लुब्लिन शहर पहुँचे। वहाँ उन्होंने जे.पी.जे. यूनिवर्सिटी और देव संस्कृति विवि. के मध्य योग, अध्यात्म, आयुर्वेद आदि विषयों को लेकर एमओयू साइन किया। तथा वहाँ के रेक्टर से सौहार्द्रपूर्ण भेंट हुई, उन्हें युग साहित्य भेंट किया।

जे.पी.जे. यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू

ब्रिटेन के क्रॉली और आयरलैण्ड के डबलिन में घर-घर देवस्थापना एवं संपर्क अभियान

लंदन में प्रतिष्ठित महानुभावों से भेंट-वार्ता

देसविवि के प्रति कुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी प्रवास के अंतिम चरण में लंदन पहुँचे। वहाँ उन्होंने भारतीय उच्चायोग के सेक्रेटरी एवं नेहरू सेंटर के अध्यक्ष श्री त्रिपाठी जी से भेंट की। तत्पश्चात् लंदन में शापूरजी पालोनजी ग्रुप आई.टी.जेड.वाय. के प्रमुख श्री फिरोज मिस्त्री एवं श्री जहान मिस्त्री से भेंट। सुश्री विद्या अलेक्षण, विदेश मामलों की निदेशक, एल.पी. से भी मिले। सबको गायत्री परिवार तथा देव संस्कृति विवि. की गतिविधियों की जानकारी दी। समस्त गणमान्यों को युगऋषि का ज्ञान प्रसाद, उनका साहित्य भेंट किया और शान्तिकुञ्ज आने का निमंत्रण दिया।

आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी शापूरजी पालोनजी ग्रुप के प्रमुख श्री फिरोज मिस्त्री एवं श्री जहान मिस्त्री तथा सुश्री विद्या अलेक्षण, विदेश मामलों की निदेशक से भेंट करते हुए

आलस्य परमेश्वर के दिए हुए हाथ-पैरों का अपमान है। जरूरतमंद की सहायता तो करो, लेकिन उसे मेहनत-पुरुषार्थ का अवसर प्रदान कर।

युगतीर्थ शान्तिकुञ्ज में राष्ट्र के नवनिर्माण का उत्सव, कार्यक्रम और योजनाएँ

हाथ में तिरंगा लेकर हजारों युग निर्माणियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

77वें स्वतंत्रता दिवस की शोभायात्रा में शामिल हुए हर वर्ग, वय के कार्यकर्त्ता भाई-बहिन और राष्ट्रध्वज का वंदन करतीं श्रद्धेया जीजी

''हमारा लक्ष्य अपनी महान संस्कृति की बुनियाद पर मानवता का उत्थान करना और राष्ट्र चेतना का जागरण करना है। एक महान स्वतंत्रता सेनानी परम पूज्य गुरुदेव हमारे आदर्श हैं। उन्हीं के पदचिह्नों का अनुसरण करते हुए हमें अपने देश को विश्वगुरु बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।''

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस पर परम पूज्य गुरुदेव, परम वंदनीया माताजी के पावन स्मारकों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धेया शैल जीजी ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के नाम यह संदेश दिया।

इससे पूर्व उन्होंने देवात्मा हिमालय के समक्ष अत्यंत उत्साह भरे वातावरण में ध्वजारोहण किया। अपनी विशिष्ट परम्परा के अनुरूप ध्वजारोहण से पूर्व पवित्र मंत्रोच्चार के साथ ध्वज पूजन किया गया। गायत्री विद्यापीठ, शान्तिकुञ्ज के प्रज्ञा बैण्ड के साथ राष्ट्रगान हुआ। इस अवसर पर शान्तिकुञ्ज के समस्त कार्यकर्त्तागण, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय परिवार और अनेक गणमान्य प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

भव्य तिरंगा यात्रा

पूरे देश की तरह 77वें स्वतंत्रता दिवस पर शान्तिकुञ्ज में भी तिरंगा यात्रा का जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। ध्वजारोहण के बाद निकली तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठ, कनिष्ठ कार्यकर्त्ता, समयदानी और शिविरार्थी साधक भाई-बहिन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय परिवार, गायत्री विद्यापीठ के बच्चे शामिल हुए। शोभायात्रा के उद्घोष और गीत नीति, सदाचार अपनाते हुए राष्ट्र के विकास में बढ़चढ़कर योगदान देने के लिए प्रेरित करते रहे।

गायत्री विद्यापीठ में ध्वजारोहण

गायत्री विद्यापीठ में प्रधानाचार्य श्री सीताराम सिन्हा ने ध्वजारोहण किया। नन्हें विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में राष्ट्रभक्ति के विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालने वाले मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ नन्हे मुन्ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

संत, शहीद, सैनिकों जैसी उमंग और उत्साह के साथ देश को बनाएँ विश्व का सिरमौर

- माननीय कुलाधिपति, देसंविवि

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने भी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों के साथ स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्र की सनातन गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखने में विशिष्ट योगदान देने वाले तपस्वी संतों, सुधारकों तथा वर्तमान में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे वीर जवानों का भावभरा स्मरण किया। उन्होंने कहा कि देश को हर तरह से सुखी और उन्नत राष्ट्र बनाने के लिए संत, शहीद, सुधारक और वीर सैनिकों जैसा उत्साह होना चाहिए।

गायत्री विद्यापीठ में ध्वजारोहण करते प्रधानाचार्य श्री सीताराम सिन्हा जी

देशव्यापी राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों की तैयारी

केन्द्रीय टोली पुनर्बोध प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

सतयुग की वापसी के लिए जन-जन के विचार, भावनाएँ और आध्यात्मिक चेतना को देवताओं के स्तर तक उठाना होगा। - श्रद्धेया शैल जीजी

इस वर्ष पूरे देश में 108, 51, 24 व 9 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ के श्रृंखलाबद्ध आयोजन हो रहे हैं। इनके संचालन के लिए देशभर के चयनित टोली नायक, सहायक और युग गायक-वादकों का केन्द्रीय टोली पुनर्बोध प्रशिक्षण शिविर शान्तिकुञ्ज में आयोजित हुआ। दिनांक 11 से 15 अगस्त तक की तिथियों में आयोजित इस शिविर में टोली सदस्यों को अखण्ड ज्योति एवं परम वंदनीया माताजी की जन्मशताब्दी-2026 तक यज्ञ पिता, गायत्री माता को गाँव-गाँव घर-घर प्रतिष्ठित करने का वातावरण बनाने, संकल्प जगाने का लक्ष्य दिया गया है।

पाँच दिवसीय शिविर का शुभारंभ केन्द्रीय जोन समन्वयक डॉ. ओपी शर्मा, श्री शिवप्रसाद मिश्र आदि वरिष्ठ शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. ओ.पी. शर्मा जी ने कहा कि गायत्री धर्म वर्ग, सम्प्रदाय से ऊपर है। आज समाज में छाये नैतिक, चारित्रिक पतन को दूर करने के लिए हर व्यक्ति को इसकी उपासना करने की आवश्यकता है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते डॉ. ओ.पी. शर्मा जी

- इस शिविर में देश के विभिन्न प्रान्तों से आए लगभग 300 कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया।
- श्रद्धेया शैल जीजी से मिले स्नेहाशीषों ने सभी में हनुमान जैसी सक्रियता अपनाने का उत्साह जगाया।
- 1 अक्टूबर 2023 से रवाना हो रही हैं टोलियाँ।

इस शिविर को शान्तिकुञ्ज के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता भाई-बहिनों ने संबोधित किया। श्रद्धेया शैल जीजी ने सबसे व्यक्तिगत भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें सतयुग की वापसी के लिए जन-जन के विचार, भावनाएँ और आध्यात्मिक चेतना को देवताओं के स्तर तक उठाना होगा। समय की माँग के अनुरूप बौद्धिक परिष्कार के साथ टोली के अनुशासन एवं दायित्व व कई सामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम विभाग प्रभारी श्री श्यामबिहारी दुबे, वीरेन्द्र रौतेला एवं सभी जोन के कार्यकर्त्ताओं ने बड़ी कुशलता से शिविर की व्यवस्थाएँ कीं।

देशव्यापी राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञों की तैयारी

पूर्व-पूर्वोत्तर भारत में विचार क्रान्ति के संकल्प के साथ उठे हजारों हाथ

शान्तिकुञ्ज में 3 से 6 अगस्त की तिथियों में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सक्रिय कार्यकर्त्ता शिविर सम्पन्न हुआ। इसके उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए देसंविवि के कुलपति श्री शरद पारधी जी ने आत्मीय स्वजनों को गुरुसत्ता की प्रेरणा और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नित्य नियमित रूप से आत्मावलोकन एवं आत्म सुधार की साधना करने की प्रेरणा दी। वे 'लोकसेवियों के लिए दिशाबोध' विषय से अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

इस शिविर में झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम आदि प्रांतों से आये लगभग 700 कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। प्रांतवार संगोष्ठियों में वक्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए चर्चा की। नारी जागरण, बाल संस्कार शाला, परिवार व समाज निर्माण जैसे रचनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। चयनित कार्यकर्त्ताओं ने मंच पर प्रज्वलित लाल मशाल हाथ में उठाकर अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रोताओं के उठे हजारों हाथ भी उनके संकल्पों में साझेदार थे।

श्रद्धेया शैल जीजी ने भेंट के क्रम में कहा कि यह सुनहरा अवसर है, जब हम संगठित होकर परिवार, समाज व राष्ट्र को ऊँचा उठाने के लिए कार्य करें। गुरुवर के दिव्य संदेश को घर-घर पहुँचायें।

केन्द्रीय जोनल समन्वयक डॉ ओ.पी. शर्मा, पूर्वी जोन प्रभारी श्री वीरेन्द्र तिवारी, सहित कई वरिष्ठ वक्ताओं ने सुदूर क्षेत्रों से आए प्राणवान कार्यकर्त्ताओं का मार्गदर्शन किया।

विदाई से पूर्व भव्य मशाल रैली निकाली गयी। इसमें प्रतिभागियों के अथाह उल्लास की अभिव्यक्ति होती रही।

निःशुल्क स्वास्थ्य व कैंसर जाँच शिविर

115 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया

गायत्री तीर्थ शान्तिकुञ्ज के आचार्य श्रीराम शर्मा शताब्दी हास्पिटल में 12 अगस्त को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं कैंसर जाँच शिविर का आयोजन हुआ। इसमें कैंसर के लक्षणों के आधार पर विभिन्न जाँच की गयी। जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ मधुमेह और उच्च रक्तचाप आदि की जांच भी की गई। विभिन्न प्रांतों से शिविरार्थियों, भुपतवाला सहित निकटवर्ती क्षेत्रों के 115 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया व कैंसर के लक्षण के बारे में जानकारी भी दी गई। चिकित्सकों ने कैंसर की रोकथाम के लिए उपाय भी बताए गए।

यह शिविर राजीव गाँधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर दिल्ली एवं गंगा प्रेम हॉस्पिस, रायवाला तथा आचार्य श्रीराम शर्मा शताब्दी चिकित्सालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर के दौरान डॉ. ऐश्वर्या विनोद- राजीव गाँधी कैंसर अस्पताल दिल्ली, डॉ. धृति धवन- राजीव गाँधी कैंसर अस्पताल दिल्ली आदि ने परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श दिया। शान्तिकुञ्ज व्यवस्थापक श्री महेन्द्र शर्मा जी तथा चिकित्सा प्रभारी श्रीमती मंजू चोपदार के नेतृत्व में चिकित्सालय के गोपाल रजक, तोरण देवांगन आदि अनेक परिजन शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोगी रहे।

शान्तिकुञ्ज व्यवस्थापक श्री महेन्द्र शर्मा जी चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए

शान्तिकुञ्ज स्काउट गाइड ने निकाली पर्यावरण बचाओ रैली

देव संस्कृति विश्वविद्यालय एवं गायत्री विद्यापीठ, शान्तिकुञ्ज के रोवर-रेंजर, स्काउट व गाइड्स ने 7 अगस्त को एक-एक फलदार व देववृक्ष हाथ में लेकर पर्यावरण बचाओ रैली निकाली। तत्पश्चात विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य श्री सीताराम सिन्हा ने वृक्षारोपण की महत्ता व जीवनोपयोगी विषय पर प्रकाश डाला। गायत्री विद्यापीठ की कक्षा दस की छात्रा कु. स्तुति ने अपनी टीम के साथ पौधारोपण करने के बाद उससे मित्रता का संकल्प भी लिया।

श्रीमती शैलबाला पण्ड्या शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार स्वामी श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट (टीएमडी) गायत्री नगर, श्रीरामपुरम, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तथा उत्तर भारत लाइव, एच.सी.एल. कम्पाउण्ड, सहारनपुर रोड़, निरंजनपुर, देहरादून-248001 (उत्तराखंड) में मुद्रित। संपादक- प्रमोद शर्मा। पता :- शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराखंड), पिन 249411. फोन-(01334) 260602

सम्पर्क सूत्र : पंजीयन एवं पूछताछ
फोन : 01334-311004
ईमेल : pragyaabhiyan@awgp.in
समाचार भेजने के लिए
ई-मेल : news@awgp.org

Publication date: 27.08.2023
Place: Shantikunj, Haridwar
RNI-NO.38653/ 1980
Postel R.No. UA/DO/DDN/ 16 / 2021-23
Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2021-23

वृक्षारोपण मास : जगह-जगह सामूहिक वृक्षारोपण

स्वामी विवेकानन्द रा.मॉ. स्कूल अटरू में श्रीराम स्मृति वन की स्थापना

बाराँ। राजस्थान

गायत्री परिवार के युवाओं और विविध रचनात्मक गतिविधियों में सतत संलग्न रहने वाले दिया के सदस्यों ने 31 जुलाई के दिन स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल अटरू में श्रीराम स्मृति वन की स्थापना की। गायत्री परिवार के मार्गदर्शन और सहयोग से छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मिलकर श्रीराम स्मृति उपवन में 100 पेड़ों की पौध रोपी।

संस्था प्रधान श्री शैलेश नागर ने बताया कि इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी रखी गई, जिसे गायत्री परिवार की ओर से डॉ. अर्जुन सिंह राजावत, चन्द्रप्रकाश सांखला, लक्ष्मीनाथ मीणा, डॉ. मुकेश मीणा, छीतरमल मीणा, शुभम मालव और डॉ. श्रीराम मीणा ने संबोधित किया। रोपित किए गए वृक्षों को बालिकाओं को अपना भाई मानकर तथा बालकों को अपना मित्र मानकर उन्हें संरक्षित करने के लिए प्रेरित और संकल्पित किया गया। गायत्री परिवार की प्रेरणा से सभी विद्यार्थियों ने अपने जीवन काल में पाँच पौधे लगाने और उन्हें बड़ा करने का संकल्प लिया।

विद्यालय में पौधारोपण करते शिक्षक, विद्यार्थी और दिया के सदस्य

101 वृक्षों की पौध रोपी

गर्भ संस्कार को भी प्रोत्साहन

देवास। मध्य प्रदेश : गायत्री परिवार शाखा देवास ने इस वर्ष के पाँचवे पौधारोपण कार्यक्रम में ग्राम राजोदा में 101 वृक्षों की पौध लगाई। इस अवसर पर आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी अभियान को भी प्रोत्साहित किया गया। अभियान प्रभारी सरिता पाटीदार ने बच्चों को समाज का दर्पण बताते हुए उन्हें संस्कारवान बनाने तथा इस अभियान को घर-घर पहुँचाने का आह्वान किया।

ग्राम राजोदा में वृक्षारोपण से पूर्व श्रद्धा व उल्लास से भरा समारोह

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरीतिमा संवर्धन के लिए हो रहे निरंतर और नियमित प्रयास

गुरुग्राम। हरियाणा : गुरुग्राम गायत्री परिवार द्वारा संचालित वृक्षगंगा अभियान के अंतर्गत दिनांक 27 जुलाई 2023 को तरुपुत्र/तरुमित्र के रोपण का तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री अमीर सिंह, शिव कुशवाहा और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता से सेक्टर 65, पावर सब स्टेशन गुरुग्राम में 72 फलों के पौधे रोपे गए। हार्टिकल्चर विशेषज्ञ श्री राहुल पालीवाल द्वारा उन्नत नस्ल के आम, अमरूद, जामुन, कटहल और नींबू की पौध की व्यवस्था की गई थी।

गुरुग्राम के शाखा परिजनों द्वारा किया जा रहा वृक्षारोपण

महिला मण्डल द्वारा हर वर्ष किया जाता है बृहद् वृक्षारोपण

खुर्जा, बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश : गायत्री परिवार ट्रस्ट खुर्जा की महिला शाखा हर वर्ष सावन माह में वृक्षारोपण अभियान चलाती है। इस वर्ष खुर्जा शहर के राधाकृष्ण पार्क एवं चमन विहार कॉलोनी में पौधे रोपे गए। महिला मण्डल ने मुख्यतः पीपल व नीम के ऑक्सीजन देने वाले तथा पक्षियों के लाभार्थ जामुन और अमरूद के फलदार पेड़ों की पौध लगाई। अनिता शर्मा, शीला देवी, मनोरमा राय, प्रगति कौशिक, सुनीता शर्मा, राजेंद्र शर्मा, अवधेश प्रताप सिंह, पंकज कुमार रस्तोगी, कृष्णा कौशिक, सुरेंद्र गुप्ता इत्यादि ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। सभी सदस्यों ने एक-एक पौधा गोद लेकर उसके विकसित होने तक पूरी देखभाल करने का संकल्प लिया।

दिया, छत्तीसगढ़ को मिला ग्राम पंचायत और ग्रामवासियों का सहयोग

कोरबा। छत्तीसगढ़ : दिव्य भारत युवा संघ छत्तीसगढ़ के सलोरा मण्डल के कार्यकर्त्ताओं ने सलोरा ग्राम में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। वृक्षारोपण के साथ ग्रामवासियों को बढ़ते पर्यावरण संकट की जानकारी दी गई। उन्हें बढ़ती गरमी, घटते जल की समस्या से बचने के लिए वृक्षारोपण, वृक्ष संरक्षण की प्रेरणा दी गई। वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच भी उपस्थित रहे। उन्होंने गायत्री परिवार की सर्वजन हिताय सक्रियता में बढ़-चढ़ कर सहयोग करने का आह्वान ग्राम वासियों से किया। दिया की ओर से श्री रमाकांत साहू ने कहा कि हमने पर्यावरण की तरफ ध्यान न दिया तो जीवन संकट में पड़ सकता है। वृक्षारोपण अभियान में सर्वश्री योगेश तंवर, महेन्द्र राजपूत, जितेन्द्र केवट, वरुण गुप्ता आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कारगिल विजय दिवस मनाया

राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए समर्पित जिले की प्रतिष्ठित शाला गायत्री विद्यापीठ में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। बच्चों ने उद्‌बोधन दिये, जिसमें उन्होंने शहीदों की वीरता और उनके योगदान को याद किया। देशभक्ति से परिपूर्ण कविताएँ प्रस्तुत की गईं। भारतमाता के जयकारों से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो उठा। प्राचार्य श्रीमती वत्सला अय्यर, गायत्री शिक्षण समिति के सदस्यगण, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ और विद्यार्थियों ने कारगिल के शहीदों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

करगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि

व्यसनमुक्ति अभियान

उच्च मा. विद्यालय में नशा उन्मूलन कार्यशाला

नशा व्यक्ति के जीवन से प्रेम, सम्मान, धन, स्वास्थ्य सब कुछ छीन लेता है।

बघेरा, दुर्ग। छत्तीसगढ़

दीया छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 1 अगस्त को इंडियन किड्स नेक्स्ट जेनरेशन हायर सेकेंड्री स्कूल बघेरा, दुर्ग में डिवाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला युवा कौन? पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं भारत नशा छोड़ो जैसे विषयों पर केन्द्रित थी। बच्चों को बताया गया कि कैसे शौक-शौक में लगने वाली नशे की लत जीवन का नाश कर देती है। वक्ताओं ने बताया कि विद्यार्थी जीवन का सही उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बड़े-बड़े काम कर सकता है, ऊँचे-ऊँचे पदों पर पहुँच सकता है, लेकिन बच्चे भटक जाते हैं, नशे की लत में पड़कर मजदूरों, अपराधियों जैसा उपेक्षित जीवन जीने के लिए मजबूर हो जाते हैं। नशा व्यक्ति के जीवन से प्रेम, सम्मान, धन, स्वास्थ्य सबकुछ छीन लेता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिया छत्तीसगढ से डॉ. पी.एल. साव, डॉ. योगेंद्र कुमार, इंजीनियर युगल किशोर, श्रीमती अनीता साव, विद्यालय की प्राचार्य, सभी शिक्षक व डायरेक्टर श्री योगेंद्र देशमुख उपस्थित थे। सभी बच्चों को जीवन में नशा नहीं करने का संकल्प कराया गया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते दिया, छ.ग. के प्रतिनिधि

उपजोन की त्रैमासिक गोष्ठी में उभरे सक्रियता के संकल्प

नशामुक्ति रैली निकली और वृक्षारोपण हुआ

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छ.ग.

दिनांक 23 जुलाई को जैन धर्मशाला गौरेला में उपजोन बिलासपुर की पंचम त्रैमासिक संगठनात्मक संगोष्ठी सम्पन्न हुई। इसके साथ विशाल व्यसन मुक्ति रैली एवं वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। गोष्ठी में जिला बिलासपुर, मुंगेली और गौरेला पेंड्रा मरवाही के 200 से अधिक कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। इस गोष्ठी में जोन प्रभारी श्री धनसाय बैगा के नेतृत्व में परम वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष-2026 तक विकासखंड गौरेला, पेंड्रा, एवं मरवाही के प्रत्येक ग्राम के अंतिम व्यक्ति तक रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से गायत्री परिवार को पहुँचाए जाने के सम्बंध में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। तीन वर्षीय सक्रियता के लक्ष्य निर्धारण किया गया।

भव्य नशा मुक्ति रैली का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत हुआ। बैनर, पोस्टर व नशा उन्मूलन के नारों के साथ रैली ने नगर वासियों को नशे से दूर रहने का बड़ा प्रभावशाली संदेश दिया। कार्यकर्त्ताओं ने मिलकर रेस्ट हाउस गौरेला में पौधारोपण किया, सभी कार्यकर्त्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान को गति देने के लिए प्रेरित किया गया।

सामूहिक प्रयासों से जागती जनचेतना : व्यसनमुक्ति रैली और वृक्षारोपण समारोह

प्रबुद्ध नारी समाज में मिली विशिष्ट पहचान

प्रगति महिला मंडल ने सृजनात्मक सक्रियता को सराहा

बैंगलुरू। कर्नाटक

पुरुषोत्तम मास के विशेष अवसर पर प्रगति महिला मंडल ग्रुप बैंगलुरू का गायत्री चेतना केंद्र में आगमन हुआ। मण्डल की बहिनों ने गायत्री माता मंदिर में पूजन और गौशाला में गौमाता का पूजन-अर्चन किया। तत्पश्चात् सभी बहनों ने समर्पित भाव से यज्ञ किया और ध्यान कक्ष में सामूहिक साधना भी की।

प्रगति महिला मंडल की प्रमुख श्रीमती विभा वालिया सहित सभी बहिनों ने गायत्री परिवार की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस आध्यात्मिक परिवार में आकर बहुत शांति प्राप्त हुई। बहिनों ने परम पूज्य गुरुदेव के साहित्य के प्रति विशेष आस्था जताई और खरीदा भी।

गायत्री चेतना केन्द्र में प्रबुद्ध अतिथि बहिनों का स्वागत

प्रगति महिला मंडल प्रेसिडेंट श्रीमती विभा वालिया जी ने बताया कि उनका ग्रुप प्रत्येक महीने विविध सामाजिक गतिविधियों में शामिल होकर नए-नए अनुभव प्राप्त करती है और अच्छी सीखों को ग्रहण करती है। इसी क्रम में गायत्री चेतना केन्द्र पहुँचकर बहिनों ने अत्यंत सुखद अनुभूतियाँ कीं।

बच्चों के व्यक्तित्व परिष्कार के लिए हो रहे प्रयास

22 गाँवों में चल रही बाल संस्कार शाला के आचार्यों का प्रशिक्षण शिविर

सलूम्बर। राजस्थान
गायत्री शक्तिपीठ लकापा में 25 जून 2023 को बाल संस्कार शाला की संचालक बहिनों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। इसमें सलूम्बर नगर और सलूम्बर, सराड़ा व उदयपुर जिलों के 22 गाँवों में चल रही संस्कार शालाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। मुख्य प्रशिक्षक शान्तिकुञ्ज के युवा प्रतिनिधि श्री आशीष सिंह थे। उन्होंने बालकों की तरह-तरह की मनःस्थितियों की विषद् व्याख्या करते हुए उन्हें सद्गुणी-संस्कारवान बनाने के मार्मिक सूत्र बताये। सभी प्रशिक्षु बहिनें उनकी प्रशिक्षण शैली से बहुत प्रभावित हुईं। बहिनों का कौशल तो बढ़ा ही, उत्साह भी खूब बढ़ा। कई नई बाल संस्कार शालाएँ आरंभ करने के संकल्प लिए गए।

विद्यालय में पौधारोपण करते शिक्षक, विद्यार्थी और दिया के सदस्य

आरंभ में श्री आशीष सिंह के साथ उदयपुर से आए वरिष्ठ परिजन श्री राजेन्द्र त्रिपाठी का मंच पर सम्मान किया गया। श्री सुनील सुथार ने स्वागत उद्बोधन दिया। श्री अशोक ताजावत ने गायत्री शक्तिपीठ सलूम्बर की सृजनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। अंत में बाल संस्कार शाला चलाने वाले सभी परिजनों का मंत्र दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

समूह साधना आयोजन, बालिकाओं को संस्कारवान बनाने की प्रेरणाएँ

अलीराजपुर। मध्य प्रदेश
आज के समय में बच्चियाँ कैसे संस्कारित हों, शिक्षित हों, विपरीत परिस्थितियों में से कैसे बाहर निकलें, ऐसे संस्कार माता-पिता अपनी बच्चियों को दें।

साधकों को संबोधित करती जिला पंचायत अध्यक्ष

जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री अनिता नागर सिंह चौहान ने गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित समूह साधना कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम ठान लें तो सामने जो भी परिस्थितियों आती हैं, उनका डटकर मुकाबला कर सकते हैं। उन्होंने साधकों को संकल्पपूर्वक बुराइयाँ छोड़ने और अच्छाइयाँ अपनाते हुए जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाने की प्रेरणा दी। इस दिशा में शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकार भी उन्होंने दी।

जनप्रतिनिधि श्री किशोर शाह, महिला मंडल की ओर से गायत्री जगदीश राठौड़ ने भी सत्प्रेरणाएँ दीं। कार्यक्रम का संचालन शक्तिपीठ के व्यवस्थापक संतोष वर्मा ने किया।

बाल संस्कार शाला की काँवड़ यात्रा

बच्चों ने स्वयं गड्ढे खोदे, पेड़ लगाए

भोपाल। मध्य प्रदेश
अखिल विश्व गायत्री परिवार भोपाल पूरे जिले में 150 बाल संस्कार शालाओं के माध्यम से हजारों बच्चों में श्रद्धा, संवेदना, सृजनात्मकता का बीजारोपण और पोषण कर रहा है। अर्चना परिसर, अयोध्या बायपास रोड स्थित शनि मंदिर प्रांगण में चलने वाली सूर्य सविता बाल संस्कार शाला के बच्चों ने वृक्ष काँवड़ यात्रा निकालते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। काँवड़ यात्रा के बाद बच्चों ने अपने हाथों से गड्ढे खोद कर पीपल, नीम, बरगद, आँवला, अशोक आदि के पौधे रोपे।

बाल संस्कार शाला संचालक विजय गुप्ता एवं संध्या गुप्ता जी तथा डॉ. दयानंद समेले ने बच्चों को बाल वाटिका, गमले में स्वास्थ्य, तुलसी/अमृत बेल घर-घर रोपित करने का संकल्प दिलाया।

विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

नशा, पर्यावरण के प्रति ध्यानाकर्षण

धरणगाँव, जलगाँव। महाराष्ट्र
4 अगस्त के दिन भाऊसाहेब गुलाबरावजी पाटिल कला वाणिज्य विज्ञान उच्च माध्यमिक विद्यालय, पालधी में व्यसनमुक्ति, पर्यावरण, आजादी बचाओ आदोलन, गो-पालन इत्यादि विषयों पर व्याख्यान रखा गया। प्राचार्य श्री विजय कोली, सभी शिक्षक और लगभग 250 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्राचार्य महोदय ने मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश राठी का इस अत्यंत प्रेरणादायी कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्ति किया और उनका सम्मान भी किया।

मौन अंतः ऊर्जा जागरण शिविर

बरघाट, सिवनी। मध्य प्रदेश
गायत्री शक्तिपीठ बरघाट में 6 अगस्त को प्रातः 8 से 4 बजे तक मौन अंतः ऊर्जा जागरण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में पंचकोशी ध्यान,तत्व बोध ज्योति अवतरण, सोहम, नादयोग, खेचरी मुद्रा, विविध प्राणायाम का अभ्यास साधकों को कराया गया। सिवनी, केवलारी, कुरई के साधकगण सहभागी बने। शिविर का संचालन श्री नरेंद्र हिंगवे एवं प्रजापति, सौंसर ने किया।

भासंज्ञाप. में सहयोगी प्रधानाचार्य, शिक्षकों को वाङ्मय भेंट किया

बंडा, शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश : गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मस्थली बंडा ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में भागीदारी करने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रबंधकों को वाङ्मय भेंट कर सम्मानित किया। शक्तिपीठ प्रबंधन ने ग्रामीण क्षेत्रों के प्रबुद्ध जनों को भी वाङ्मय भेंट कर परम पूज्य गुरुदेव के क्रान्तिकारी विचारों से परिचित कराया।

केरल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कई बड़े नगरों में आयोजित हुए सार्वजनिक समारोह, हर वर्ग की भागीदारी रही

केरल में बढ़ते युगशक्ति गायत्री के प्रभाव और क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं की सक्रियता के अनुरूप प्रदेश के तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोचीन, त्रिशूर, पलक्काड, मालापुरम, कोझिकोड़, कन्नूर आदि अनेक बड़े नगरों में गुरु पूर्णिमा पर्व पर भक्तिभाव से परिपूर्ण शानदार कार्यक्रम सम्पन्न हुए। हजारों कार्यकर्त्ताओं ने इनमें भाग लेते हुए गुरु भक्तिपूर्ण प्रज्ञागीत, यज्ञ, गुरु चरण पादुका पूजन, महाप्रसाद ग्रहण जैसे कार्यक्रमों के साथ परम पूज्य गुरुदेव और परम वंदनीया माताजी के प्रति अपनी श्रद्धा तथा आत्मीय सघनता की हृदयस्पर्शी अभिव्यक्तियाँ कीं।

गुरुपर्व पर यज्ञाहुतियाँ देते श्रद्धालु

गायत्री चेतना केंद्र पेट्टा, तिरुवनंतपुरम में सम्पन्न समारोह में मलयाली, हिन्दी, गुजराती, मारवाड़ी परिवारों ने भाग लिया। वे अपने साथ छोटे-छोटे बच्चों को भी लेकर आए, उन्हें जीवन में गुरुतत्त्व की महत्ता का बोध कराया। डॉ. आरिफ भी सपरिवार पधारे, दुनिया को प्रगतिशील अध्यात्मवाद की प्रेरणा देने वाले सद्गुरुदेव को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विजय अरोरा जी ने किया।

अमृता विद्यालय वाडकरा, कालीकट में शिक्षकों के पादपूजन करते विद्यार्थीगण

गायत्री चेतना केन्द्र पन्नमपिली नगर, एर्नाकुलम में केन्द्र संचालक श्री अशोक अग्रवाल, श्री लाजपतराय कचोलिया, श्री महेश साबू आदि समस्त वरिष्ठ-कनिष्ठ कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। मलयालम, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध युग साहित्य वितरित किया गया। अखण्ड ज्योति मलयालम पत्रिका के सदस्य बनाए गए।

गुरु पर्व पर मायनाड पुलांगहोट मंदिर, कोझिकोड़ में आयोजित दीप यज्ञ का नेतृत्व श्रेष्ठाचार सभा की बहिनों ने किया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

चेलक्कारा जननी गायत्री साधनालय में गायत्री यज्ञ में मलयाली मूल की कई संस्थाओं के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं की उपस्थिति रही। यज्ञोपरांत गायत्री सहस्त्रनाम का जप, संपूर्ण भगवद्गीता का पाठ आदि कार्यक्रम हुए।

अमृतंगमय गायत्री समिति पलक्काड़ थोटुपल्ला में आचार्य श्री केयू शाजी शर्मा जी, श्री पीके चंद्रन, श्री प्रकाशन पलाचोटिल, श्री नवीन त्रिप्रयार, श्रीमती कविता चालकुडी, श्री हरिदास और अन्य के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने गायत्री यज्ञ में भाग लिया।

त्रिशूर के त्रिप्रयार सीताराम गायत्री समिति में गुरु पर्व मनाते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने गायत्री उपासना एवं गुरुदेव के विचारों के सान्निध्य में अपने व्यक्तित्व और समाज को प्रगतिशील दिशा में अग्रसर करने का संकल्प लिया।

अमृता विद्यालय वाडकरा, कालीकट में सभी विद्यार्थियों के द्वारा शिक्षकों का पाद पूजन कार्यक्रम हुआ।

कोझिकोड़ में श्री एम टी विश्वनाथन ने श्रेष्ठाचार सभा के साथ गुरु पूर्णिमा महापर्व उत्साहपूर्वक मनाया।

बंगाली दम्पति का विवाह संस्कार

शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री उमेश कुमार शर्मा ने गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य में सभी शाखाओं के समर्पित प्रज्ञा परिजनों से 'गुरु शिष्य परम्परा' पर संवाद सप्ताह संचालन किया।

गायत्री चेतना केंद्र कोचीन में बंगाली समुदाय के चि. सौरव दास एवं सौ. कां. सुमना बर्मन का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। उनके सभी रिश्तेदार, बंधु-बांधव, मित्र, पड़ोसी विवाह संस्कार के विधान और उसकी प्रेरणाओं से बहुत प्रसन्न हुए। गायत्री परिवार की ओर से श्री अशोक अग्रवाल, श्री लाजपतराय कचोलिया, श्री महावीर राजपुरोहित ने नवदम्पति को आशीर्वाद दिए।

श्रावण मास में विशेष साधना अभियान प्रतिदिन होता है सवा लाख गायत्री मंत्र का जप

देमार, धमतरी। छत्तीसगढ़
गायत्री परिवार देमार इकाई द्वारा श्रावण मास में जीवन में सुख, समृद्धि एवं गाँव की खुशहाली के लिए विशेष साधना अभियान चलाया जा रहा है। 50 से अधिक साधक भाई-बहिन प्रतिदिन सायं 6 से 8 बजे तक सवा लाख गायत्री महामंत्र का जप करते हैं। जप का समापन दीप यज्ञ के साथ किया जाता है। इस विशिष्ट अभियान के समन्वयक श्री जालम सिंह कुंभकार, श्री दिनेश साहू हैं। सुश्री गायत्री साहू ने बताया कि गुरु पूर्णिमा से आरंभ हुआ यह साधना अनुष्ठान 30 अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगा।

समूह साधना में भाग लेती बहिनें और बच्चे